mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-209 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
30 जुलाई 2026 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

दिल्ली में मेट्रो स्टेशन में पानी घुसा, सड़कें डूबीं

● गुजरात में टाटा फैक्ट्री बंद, राजस्थान में झरने बहे, छत्तीसगढ़ में बाढ़ ● चार धाम यात्रा रुकी

नई दिल्ली/ भोपाल/ लखनऊ/ जयपुर/ पटना, एजेंसी। दिल्ली में मंगलवार को 50 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक 4 मानसूनी सिस्टम ने ये बारिश कराई। इसके चलते मेट्रो स्टेशन और कई सड़कों पर पानी भर गया, 36 पेड़ गिर गए। वाटरलॉगिंग की 136 शिकायतें दर्ज की गईं। वहीं, गुजरात में भारी बारिश और बाढ़ से टाटा मोटर्स के साणंद प्लांट और आसपास मौजूद कई सप्लायर की यूनिट बंद करानी पड़ीं। उधर, उत्तराखंड में लैंडस्लाइड से तीर्थयात्रा के रास्ते बंद हो गए। चारधाम यात्रा 2 दिनों के लिए रोक दी गई है। चंपावत, बागेश्वर और टिहरी में 12वीं तक के सभी स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में छुट्टी कर दी गई है।

देश के ऊपर दो सिस्टम मौजूद हैं। बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ होते हुए आगे बढ़ रहा है। IMD ने 4-5 दिनों में उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में सामान्य से ज्यादा और पूर्वी भारत में भारी बारिश की चेतावनी दी है।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने बताया है कि साणंद प्लांट में बनने वाली टियागो हैचबैक, टिगोर कॉम्पैक्ट सेडॉन, नेक्सन और सिएरा एसयूवी के उत्पादन पर असर पड़ा है।

असम: बाढ़ में मरने वालों की संख्या 75 हुई, 7 जिले प्रभावित... असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 75 हो गई है। राज्य के 7 जिले अब भी बाढ़ की चपेट में हैं, जहां 3.32 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं और 45 हजार हेक्टेयर से अधिक फसल पानी में डूबी हुई है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बाढ़ में जान गंवाने वालों के परिवारों को 9 लाख रुपए की सहायता देने का ऐलान किया है। इसके अलावा विस्थापित परिवारों को 15 हजार रुपए, छात्रों को 1,000 से 5,000 रुपए की बुक ग्रांट और खोए हुए शैक्षणिक दस्तावेज मुफ्त में दोबारा जारी किए जाएंगे।

दिल्ली पुलिस ने एक्स से कहा-पीएम पर आपत्तिजनक पोस्ट हटाएं

» पोस्ट करने वाले का नाम, पता, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी भी दें

नई दिल्ली,एजेंसी। पीएम मोदी समेत संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ एक्स पर कथित आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणियों को लेकर दिल्ली पुलिस ने बुधवार को पत्र लिखा।

पुलिस ने प्लेटफॉर्म से संबंधित पोस्ट और वीडियो तत्काल हटाने, साथ ही उन्हें पोस्ट करने वाले अकाउंट होल्डर्स के नाम, पता, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी जैसी जानकारी देने को कहा है।

एक दिन पहले सरकार ने मेटा को मोदी का वीडियो फेसबुक पर सीमित करने के लिए नोटिस जारी किया था। हालांकि बाद में Meta ने दोबारा रीस्टोर कर दिया है।

लॉगिन और लॉगआउट की जानकारी भी मांगी...

दिल्ली पुलिस ने अकाउंट के लॉगिन और लॉगआउट की जानकारी के साथ ही समय और तारीख का ब्योरा भी मांगा है। इसके अलावा, जांच में मदद करने वाली अन्य सभी जरूरी जानकारी भी उपलब्ध कराने को कहा गया है। पुलिस ने प्लेटफॉर्म से इस पोस्ट और वीडियो से जुड़ी जानकारी को भविष्य की जांच के लिए सुरक्षित रखने को कहा है।

: ब्रीफ बॉक्स :

पाक रक्षा मंत्री बोले- पीओके के प्रदर्शनकारी भारत जैसे दुश्मन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक टीवी इंटरव्यू में कहा कि पीओके में सरकार विरोधी प्रदर्शन कर रहे लोगों को वह भारत की तरह पाकिस्तान का दुश्मन मानते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों से किसी तरह की बातचीत नहीं की जाएगी। आसिफ का यह बयान उस समय आया है, जब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी PoK में पुलिस की फायरिंग में 30 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यहां चुनाव के विरोध में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) ने मार्च निकाला था।

प्रदर्शनकारी PoK विधानसभा की 12 शरणार्थी सीटों को खत्म करने की मांग कर रहे हैं। हिंसा के बाद पाकिस्तान ने पूरे PoK में अतिरिक्त सेना, पैरा मिलिट्री और आर्म्ड कॉन्स्टेबुलरी तैनात कर दी है।

तेलंगाना में ट्रेनी आईपीएस अफसर की तलाश, छेड़छाड़-ब्लैकमेलिंग का आरोप

हैदराबाद ,एजेंसी। तेलंगाना के हैदराबाद की सरदार वल्लभभाई पटेल नेशनल पुलिस एकेडमी (SVPNPA) के एक ट्रेनी IPS अफसर के खिलाफ महिला ट्रेनी अफसर से छेड़छाड़, मारपीट और ब्लैकमेलिंग का मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी उसे जबरन अपने कमरे में ले गया, मारपीट की, बिना सहमति के उसका वीडियो रिकॉर्ड किया और वह वीडियो उसके पति को भेज दिया। शिकायत के बाद अत्तापुर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

ईरान जंग में अब सऊदी अरब की एंट्री

अमेरिका के साथ मिलकर इराक में ईरान समर्थक लड़ाकों पर हमले किए, 20 की मौत

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी/तेल अवीव, एजेंसी। ईरान जंग में अब सऊदी अरब की भी एंट्री हो गई है। सऊदी ने अमेरिका के साथ मिलकर मंगलवार रात इराक में ईरान समर्थक पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्स (PMF) के लड़ाकों के ठिकानों पर हमले किए। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक इसमें 20 लड़ाकों की मौत हो गई है जबकि 32 घायल हुए हैं। अमेरिकी सेना के मुताबिक, इन ठिकानों से अमेरिकी सैनिकों और सऊदी अरब के ऊर्जा ठिकानों पर हमलों की तैयारी की जा रही थी। हमलों के कुछ घंटे बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई में कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ये मिसाइलें जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे की ओर दागी गई थीं, लेकिन सभी को रास्ते में ही इंटरसेप्ट कर लिया गया।

ब्रिटेन ने IRGC को आतंकी घोषित किया तो ईरान जवाबी कदम उठाएगा: ईरान की संसद में एक इमरजेंसी बिल पेश किया गया है। इसमें कहा गया है कि अगर ब्रिटेन इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) को आतंकी संगठन घोषित करता है, तो ईरान उसके खिलाफ जवाबी कदम उठाएगा।

तस्नीम न्यूज के मुताबिक, सांसद होसैनअली हाजीदेलिगानी ने कहा इस बिल को औपचारिक रूप से संसद में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अगर ब्रिटेन IRGC को आतंकी संगठन घोषित करने का फैसला करता है, तो इस पर संसद में आगे कार्रवाई शुरू होगी। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, अल जजीरा के मुताबिक, लंबे समय से प्रतिबंध झेल रहे ईरान ने अपनी अर्थव्यवस्था को सिर्फ तेल पर निर्भर नहीं रहने दिया।

5 महीने की जंग के बाद भी ईरान की अर्थव्यवस्था क्यों नहीं टूटी? अमेरिका के साथ पांच महीने से जारी युद्ध के बावजूद ईरान की अर्थव्यवस्था अब तक पूरी तरह नहीं टूटी है। विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान की अर्थव्यवस्था कमजोर जरूर हुई है, लेकिन उसके ढहने की संभावना फिलहाल नहीं दिखती।

गुरु पूर्णिमा पर योगी ने गोरखनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

● कहा- सनातन की ताकत से जुड़ा भारत, इसे तोड़ने वालों से सावधान रहें

गोरखपुर,एजेंसी। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार सुबह गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में महायोगी गुरु गोरखनाथ का विधि-विधान से विशेष पूजन किया। इसके बाद उन्होंने अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ और दादागुरु महंत दिग्विजयनाथ समेत नाथपंथ के गुरुजनों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

पूजन के दौरान सीएम योगी ने मंदिर परिसर में स्थित सभी प्रमुख देव विग्रहों और ब्रह्मलीन महंतों की समाधियों पर भी पूजा-अर्चना की। नाथपंथ की परंपरा के अनुसार गुरु गोरखनाथ को रोट का महाप्रसाद भी अर्पित किया।

इसके बाद वह मंदिर की गोशाला पहुंचे और गायों को गुड़-चना खिलाया। गोशाला से निकलकर मुख्यमंत्री ने प्राचीन काली माता मंदिर में भी पूजा-अर्चना की। सीएम योगी ने कहा कि पूरी दुनिया भारत के पर्व-त्योहारों और परंपराओं को कौतूहल और आश्चर्य की दृष्टि से देखती है। भारत आदिकाल से एक राष्ट्र रहा है और इसकी सांस्कृतिक एकता को बनाए रखने में पर्व-त्योहारों की अहम भूमिका रही है। भारत सनातन की ताकत से जुड़ा है और इसे तोड़ने वालों से सावधान रहें।

सीएम योगी ने कहा कि यदि हम इन चुनौतियों को समय रहते समझेंगे और सतर्क रहेंगे, तो भारत की आने वाली यात्रा बेहद शुभ होगी। लेकिन अगर हमने आंखों पर पट्टी बांध ली और इन साजिशों से अनजान बने रहे, तो यह अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा होगा।

भारत को अस्थिर करने की साजिशों को समझना होगा...

सीएम योगी ने कहा कि आने वाले एक-दो वर्षों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। उस समय वैश्विक स्तर पर भारत, अमेरिका और चीन के बीच प्रतिस्पर्धा और तेज होगी। ऐसे में जिन देशों को भारत की तेज प्रगति रास नहीं आती, क्या वे शांत बैठेंगे? उन्होंने तो भारत को अस्थिर करने और यहां अव्यवस्था व अशांति फैलाने की योजनाएं बनानी शुरू कर दी हैं। भारत में आतंकवादियों तक जो हथियार पहुंचते हैं, वे भी उन्हीं देशों से आते हैं। इन साजिशों को हमें समझना होगा। यह जानना होगा कि ये हमारे देश, हमारी सनातन परंपरा और हमारी संस्कृति के खिलाफ किस रूप में काम कर रही हैं।

तमिलनाडु के मीना मंदिर की 60 करोड़ की जमीन हड़पी

फर्जी दस्तावेजों के जरिए कब्जा; 19 लोगों पर एफआईआर

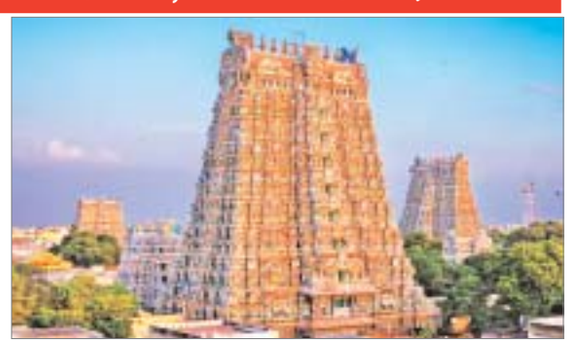

नई दिल्ली,एजेंसी। तमिलनाडु के मदुरै के प्रसिद्ध मीना मंदिर से जुड़ी एक चैरिटेबल ट्रस्ट की 1.79 एकड़ जमीन को फर्जी तरीके से हड़पने का मामला सामने आया है।

इस जमीन की कीमत करीब 60 करोड़ रुपए बताई जा रही है। मदुरै सिटी सेंट्रल क्राइम ब्रांच (CCB) ने इस मामले में 19 लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की है। आरोप है कि आरोपियों ने जमीन के फर्जी ट्रांसफर, रजिस्ट्रेशन और मॉर्गेज ट्रांजेक्शन से जमीन हथियाने की साजिश रची। यह कार्रवाई मंदिर के संयुक्त आयुक्त और कार्यकारी अधिकारी सेल्लादुरई और भ्रष्टाचार विरोधी संस्था अरापोर इयक्कम की शिकायत पर की गई है।

तहसीलदार पर लगा जमीन हड़पने का आरोप: मामले में आरोप है कि 24 जून 2016 को तत्कालीन मदुरै उत्तर तहसीलदार अनबझगन ने सरकारी रिकॉर्ड से मंदिर का मालिकाना हक हटा दिया। उन्होंने अवैध रूप से जमीन का पट्टा 9 लोगों के नाम ट्रांसफर कर दिया था। राजस्व संभागीय अधिकारी (RDO) ने तहसीलदार के आदेश को रद्द कर दिया7 जमीन को मंदिर ट्रस्ट की संपत्ति बताते हुए पट्टा वापस मंदिर के नाम करने का निर्देश दिया। इस मामले में मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच में भी केस चल रहा है, जिसने अंतरिम रोक लगा रखी है।

कोर्ट के आदेश के बावजूद मॉर्गेज डीड बनाई... FIR में आरोप है कि कोर्ट के आदेश के बावजूद 16 अप्रैल 2021 को थूथुकुडी जिले के मुराप्पनडु सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में तत्कालीन सब-रजिस्ट्रार अनंतरामन की मदद से जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (GPA) रजिस्टर कराई गई। इसके आधार पर 19 जुलाई 2021 को डिंडीगुल जिले के वडा मदुरै सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में तत्कालीन सब-रजिस्ट्रार प्रशांत संथान करुप्पन के जरिए मॉर्गेज डीड भी रजिस्टर करा ली गई। जांचकर्ताओं का कहना है कि आरोपियों ने कानूनी प्रतिबंधों के बावजूद मिलीभगत कर फर्जी पट्टा ट्रांसफर और मॉर्गेज ट्रांजेक्शन के जरिए मंदिर की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की। CCB ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) (धोखाधड़ी) और 61(2) (आपराधिक साजिश) के तहत केस दर्ज किया है।

मप्र में किसान आंदोन के बीच मूंग खरीदी का लक्ष्य बढ़ाने की मांग

कृषि मंत्री ने शिवराज सिंह को लिखा पत्र

भोपाल,एजेंसी। मध्य प्रदेश में किसानों के आंदोलन के बीच ग्रीष्मकालीन मूंग की खरीदी का लक्ष्य बढ़ाने की मांग तेज हो गई है। प्रदेश के कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंषाना ने मंगलवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर प्रदेश के लिए तय मूंग खरीदी के लक्ष्य को 4.54 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 8.06 लाख मीट्रिक टन करने का अनुरोध किया है।

कृषि मंत्री कंषाना ने अपने पत्र में लिखा है कि प्रदेश सरकार ने 14 मई और 3 जुलाई 2026 को ग्रीष्मकालीन मूंग उपार्जन के लिए केंद्र सरकार को 8.06 लाख मीट्रिक टन खरीदी का प्रस्ताव भेजा था। इसके मुकाबले केंद्र सरकार ने मध्य प्रदेश के लिए 4.54 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्रदेश में ग्रीष्मकालीन मूंग का रकबा करीब 14.30 लाख हेक्टेयर है। अनुमानित उत्पादकता 1410 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के आधार पर कुल उत्पादन करीब 20.16 लाख मीट्रिक टन होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कुल उत्पादन का 40 प्रतिशत यानी 8.06 लाख मीट्रिक टन मूंग खरीदी का लक्ष्य निर्धारित किया जाना चाहिए।

कृषि मंत्री के अनुसार, पिछले वर्ष केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश के लिए 4.19 लाख मीट्रिक टन मूंग खरीदी का लक्ष्य तय किया था, जबकि प्रदेश में वास्तविक खरीदी 7.72 लाख मीट्रिक टन तक पहुंची थी। इस वर्ष मूंग उपार्जन का लाभ लेने के लिए 3.47 लाख किसानों ने पंजीयन कराया है, लेकिन अब तक करीब 82 हजार किसानों से ही खरीदी हो सकी है। उन्होंने कहा कि किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का अधिकतम लाभ दिलाने और उन्हें भविष्य में दलहन उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने के लिए खरीदी सीमा बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने केंद्र से राष्ट्रीय स्तर पर तय लक्ष्य में अन्य मूंग उत्पादक राज्यों की बचत मात्रा का हिस्सा मध्यप्रदेश को देने की मांग की है। इससे पहले मध्य प्रदेश सरकार की मूंग खरीदी सीमा बढ़ाने की मांग पर केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने पहले जवाब दिया था कि ग्रीष्मकालीन सीजन 2025-26 में देशभर के लिए मंजूर 5.23 लाख मीट्रिक टन मूंग में से 4.54 लाख मीट्रिक टन यानी करीब 87 प्रतिशत मात्रा मध्य प्रदेश को दी गई है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ वारंट जारी

पीएफआई से की बजरंग दल की तुलना, कहा- प्रतिबंध लगा देंगे; अब संगरूर कोर्ट में होंगे पेश

संगरूर,एजेंसी। संगरूर कोर्ट ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ वारंट जारी किया है। उन्हें अदालत में पेश होने का आदेश दिया गया है। उनके वकील एडवोकेट ललित गर्ग ने इस कार्रवाई की जानकारी दी।

यह मामला 2023 का है, जब संगरूर निवासी हितेश भारद्वाज (बजरंग दल सदस्य) ने खड़गे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

खड़गे पर आरोप है कि उन्होंने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के घोषणापत्र में बजरंग दल पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने बजरंग दल की तुलना पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन पीएफआई से की थी और कहा था कि सत्ता में आने पर वे इस संगठन पर प्रतिबंध लगा देंगे।

गैर-जमानती वारंट भी जारी कर सकती कोर्ट: पहले यह मामला सिविल प्रकृति का था, जिसमें मल्लिकार्जुन खड़गे के वकील पेश हुए थे। अब कोर्ट ने इसे आपराधिक मामला बना दिया है। यदि खड़गे इस मामले में पेश नहीं होते हैं, तो अदालत उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी जारी कर सकती है।

15,000 रुपए का वारंट जारी करने का निर्देश... अदालत ने आज यह आदेश जारी किया है। कोर्ट ने आरोपी के खिलाफ 15,000 रुपए का वारंट जारी करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 19 सितंबर, 2026 को निर्धारित की गई है।

सांसद कंगना ने जेन-जी को 'जनरेशन गटर' कहा

सीजेपी प्रवक्ता दास बोले- क्या परिवार के युवा के लिए भी ऐसी भाषा का इस्तेमाल करेंगी

नई दिल्ली,एजेंसी। भाजपा सांसद कंगना रनौत और कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रवक्ता सौरव दास के बीच तीखी बयानबाजी शुरू हो गई है।

यह विवाद तब बढ़ा जब अभिनेत्री और सांसद कंगना ने जेन जेड को 'जनरेशन गटर' कहा। कंगना ने मंगलवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज पर नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर CJP के नेतृत्व में हो रहे आंदोलन पर निशाना साधा था।

सौरव दास बोले- उनकी भाषा अशोभनीय: कंगना की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए सौरव दास ने कहा कि उनकी भाषा अशोभनीय है। उन्होंने कंगना की मानसिक स्थिति पर सवाल उठाते हुए उन पर 'CJP लहर' का फायदा उठाने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

दास ने कहा, 'ये शब्द किसी मानसिक रूप से स्थिर व्यक्ति के नहीं लगते। अगर आपके परिवार में जेन जेड या जेन अल्फा का कोई युवा है, तो क्या आप उनके लिए ऐसी भाषा का इस्तेमाल करेंगी?' उनके निर्वाचन क्षेत्र के वीडियो हैं जहां वह लोगों से कह रही हैं कि आप लोग तो बहुत काम कराते हो। मुझे तो लगा था कि एमपी बनकर ज्यादा काम नहीं होगा, लेकिन यहां तो मुझे रोज काम करना पड़ रहा है। यह उनकी अपने काम के प्रति गंभीरता है।'

उनकी पार्टी के सदस्य ही उन्हें गंभीरता से नहीं लेते... सौरव दास ने कंगना के सांसद के रूप में प्रदर्शन पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा, 'कंगना रनौत के बारे में मेरे पास कहने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है, उनकी अपनी पार्टी के सदस्य ही उन्हें गंभीरता से नहीं लेते।

1 करोड़ का इनामी नक्सली मिसिर बेसरा गिरफ्तार, झारखंड में सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी, 2 दशकों से था

रांची, एजेंसी। झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों को इस साल की सबसे बड़ी कामयाबी मिली है। भाकपा (माओवादी) संगठन के पोलित ब्यूरो सदस्य और एक करोड़ रुपये के इनामी नक्सली मिसिर बेसरा को उसके दो प्रमुख सहयोगियों के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। सुरक्षा एजेंसियां इसे राज्य में माओवादियों के खिलाफ चल रहे अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक मान रही हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, झारखंड पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और कोबरा बटालियन ने खुफिया सूचना के आधार पर मंगलवार देर रात धनबाद और गिरिडीह जिले के सीमावर्ती इलाके में संयुक्त अभियान चलाकर मिसिर बेसरा को दबोचा। उसके साथ 15 लाख रुपए के इनामी माओवादी संगठन के रीजनल कमेटी सदस्य मेहनत उर्फ मोछू उर्फ विभीषण मुर्मू और गौरव उर्फ सौरभ को भी गिरफ्तार किया गया।

16 माओवादी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण: अभियान के दौरान दो अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। मिसिर बेसरा की गिरफ्तारी के पहले मंगलवार को रांची में 16 माओवादी नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था।

आत्मसमर्पण करने वालों में मिसिर बेसरा का करीबी अंगरक्षक देवान मुर्मू उर्फ शनिचरवा भी शामिल था। सुरक्षा एजेंसियों को उससे मिसिर बेसरा की गतिविधियों और संभावित ठिकाने की महत्वपूर्ण जानकारी मिली, जिसके आधार पर घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया गया। मिसिर बेसरा उर्फ भास्कर, उर्फ सुनिर्मल, उर्फ सागर, गिरिडीह जिले के पीरटांड़ क्षेत्र का रहने वाला है। वह करीब चार दशक पहले माओवादी संगठन से जुड़ा था और बाद में संगठन के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले पोलित ब्यूरो का सदस्य बना।

2009 में हुआ था फरार: झारखंड, बिहार, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में उसके खिलाफ हत्या, सुरक्षाबलों पर हमले, आईईडी विस्फोट, लेवी वसूली और रंगदारी सहित 150 से अधिक मामले दर्ज हैं। मिसिर बेसरा को वर्ष 2007 में खूंटी पुलिस ने गिरफ्तार किया था, लेकिन 2009 में बिहार के लखीसराय कोर्ट परिसर में माओवादियों द्वारा किए गए हमले के दौरान वह पुलिस हिरासत से फरार हो गया था।

झारखंड में माओवादी संगठन को बड़ा झटका

इसके बाद से वह करीब दो दशकों तक सुरक्षा एजेंसियों की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल रहा। सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि मिसिर बेसरा की गिरफ्तारी से झारखंड में माओवादी संगठन के नेतृत्व को बड़ा झटका लगा है। हाल के महीनों में लगातार मुठभेड़ों, गिरफ्तारियों और आत्मसमर्पण की घटनाओं से संगठन पहले ही कमजोर पड़ा था। अब शीर्ष नेतृत्व के गिरफ्त में आने से इसके शेष नेटवर्क पर भी असर पड़ने की उम्मीद है। फिलहाल केंद्रीय और राज्य की सुरक्षा एजेंसियां मिसिर बेसरा तथा उसके सहयोगियों से गुप्त स्थान पर पूछताछ कर रही हैं। अधिकारियों को उम्मीद है कि पूछताछ से माओवादी संगठन के सक्रिय नेटवर्क, हथियारों के जखीरे, वित्तीय स्रोतों और सहयोगियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। हालांकि, गिरफ्तारी को लेकर पुलिस की ओर से विस्तृत आधिकारिक बयान जारी किया जाना अभी बाकी है।

पांच वर्षों में सीबीएसई स्कूल हिमाचल के सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों में होंगे शामिल- मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला, एजेंसी। हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि, प्रदेश में सीबीएसई से संबद्ध सरकारी विद्यालय आगामी पांच वर्षों में राज्य के सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों के रूप में उभरेंगे. शिमला स्थित एक स्कूल के स्थापना दिवस समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को शिक्षा के समान अवसर प्रदान करना है. इसी दृष्टिकोण के तहत सरकारी विद्यालयों में पहली कक्षा से अंग्रेजी मीडियम शुरू किया गया है और 156 सरकारी विद्यालयों को सीबीएसई से संबद्ध किया गया है. इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं और सरकारी विद्यालयों में 24,000 से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन बढ़ा है. मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि, 'हिमाचल प्रदेश शिक्षा के आदर्श केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है, क्योंकि यहां के शैक्षणिक वातावरण में विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए श्रेष्ठ अवसर प्राप्त हो रहे हैं. छात्र केवल सफलता प्राप्त करने का लक्ष्य न रखें, बल्कि ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण करें जो समाज में सार्थक परिवर्तन ला सके. विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनकर समाज, प्रदेश और राष्ट्र के विकास में अपना योगदान देना चाहिए, यही हमारा ध्येय होना चाहिए. शिक्षा की मजबूत नींव पर प्रगतिशील समाज का निर्माण होता है. इसी संकल्पना के साथ वर्तमान राज्य सरकार ने शिक्षा क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की है. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है. '

हिमाचल प्रदेश में शिक्षा के लिए आदर्श वातावरण: सीएम ने कहा कि, यह गर्व का विषय है कि हिमाचल प्रदेश ने 99.30 फीसदी साक्षरता दर के साथ पूर्ण साक्षर राज्य बनने का ऐतिहासिक गौरव प्राप्त किया है. यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि शिक्षा के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है. विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है. शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार ने महत्वपूर्ण सुधार किए हैं।

दिल्लीवालों को नहीं झेलनी पड़ेगी गों की मार, मानसून में खराब होने वाली सड़कों की मरम्मत के लिए टेंडर जारी

नई दिल्ली , एजेंसी। राजधानी में मानसून के दौरान सड़कों और फुटपाथों को होने वाले नुकसान की समय पर मरम्मत सुनिश्चित करने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने तैयारी शुरू कर दी है। विभाग के विभिन्न डिवीजनों ने मरम्मत कार्यों के लिए टेंडर जारी किए हैं। इन कार्यों के तहत वर्षा से क्षतिग्रस्त होने वाली सड़कों, फुटपाथों, सेंट्रल वर्ज तथा सड़क किनारे लगे कर्ब स्टोन (पत्थरों) की मरम्मत और दोबारा स्थापना का कार्य होगा, ताकि यातायात सुरक्षित और सुचारु बना रहे।

फुटपाथों की तुरंत होगी मरम्मत: दिल्ली में पीडब्ल्यूडी के अधीन करीब 1,400 किलोमीटर सड़क नेटवर्क, लगभग 3,000 किलोमीटर फुटपाथ और 1,000 किलोमीटर से अधिक सेंट्रल वर्ज का रखरखाव किया जाता है। वर्षा के दौरान इन परिसंपत्तियों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचता है। सड़क किनारे उखड़े कर्ब स्टोन, टूटे फुटपाथ और क्षतिग्रस्त सेंट्रल वर्ज को भी प्राथमिकता के आधार पर भी दुरुस्त किया जाएगा। अधिकारियों के कहा कि इसके साथ ही प्रत्येक डिवीजन को अपने क्षेत्र में नियमित निरीक्षण करने और क्षतिग्रस्त स्थानों की पहचान कर तत्काल मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उद्देश्य यह है कि जलभराव, गड्ढों और टूटे फुटपाथों के कारण लोगों को होने वाली परेशानी कम हो तथा सड़क सुरक्षा बनी रहे।

जंतर-मंतर वाले बयान पर महबूबा मुफ्ती का यू-टर्न, कश्मीर के लोगों से मांगी माफी; कहा- अनजाने में छूटे अहम शब्द

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को जंतर-मंतर पर हाल ही में हुए एक विरोध प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग वाली अपनी टिप्पणी के लिए जम्मू-कश्मीर के लोगों से माफी मांगी। उन्होंने माना कि मीडिया से बात करते समय अनजाने में उनसे एक महत्वपूर्ण वाक्यांश छूट गया था। मुफ्ती ने कहा कि जब वह केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री के तौर पर उमर अब्दुल्ला के कार्यकाल का जिक्र कर रही थीं, तो उनका मकसद कश्मीर में सुरक्षा बलों की कार्रवाई का बचाव करने के बारे में एक खास बात कहना था। हालांकि, उन्होंने माना कि बयान देते समय अनजाने में उनसे ये शब्द छूट गए थे, 'सुरक्षा बलों को बनाए रखने का बहाना बनता है।' पीडीपी प्रमुख ने माना कि इन शब्दों के छूटने से उनकी बात का संदर्भ बदल गया और उन्होंने इस गलती की जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा कि मैं इस

गलती के लिए जम्मू-कश्मीर के लोगों से माफी मांगती हूं।

वायरल फुटेज से छेड़छाड़ के दावे को नकारा: सोशल मीडिया पर वायरल हुए जंतर-मंतर वाले उनके बयान के वीडियो क्लिप से जुड़े विवाद पर महबूबा मुफ्ती ने उन दावों को खारिज कर दिया कि फुटेज के साथ छेड़छाड़ की गई थी या उसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करके बनाया गया था। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो असली और सही है। उन्होंने साफ किया कि विवाद इसलिए हुआ क्योंकि पत्रकारों से बातचीत के दौरान अनजाने में उनसे एक वाक्यांश छूट गया था।

जंतर-मंतर वाले बयान पर उमर अब्दुल्ला ने की थी आलोचना: उनका यह स्पष्टीकरण जंतर-मंतर पर दिए गए बयानों को लेकर मचे राजनीतिक विवाद के बीच आया है। इन बयानों पर जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक हलकों और सोशल मीडिया यूजर्स की तीखी प्रतिक्रियाएं आई थीं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जंतर-मंतर पर दिए गए महबूबा मुफ्ती के बयान की आलोचना की थी।

पीपुल्स कॉन्फ्रेंस ने भी किया था विरोध

पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और मौजूदा विधायक सज्जाद गनी लोन ने भी उनकी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह जम्मू-कश्मीर में बल प्रयोग को सही ठहराने की कोशिश थी। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस ने उनके बयानों के खिलाफ विरोध मार्च भी निकाला।शुरुआत में पीडीपी ने मुफ्ती का बचाव करने की कोशिश की थी और आरोप लगाया था कि उन्हें ये बातें कहते हुए दिखाने वाला वीडियो एआई के जरिए बनाया गया था लेकिन अब उन्होंने माफी मांग ली है।

दिल्ली यमुना हादसा: नहाते समय डूबे चार दोस्तों में तीन के शव बरामद, चौथे की तलाश जारी

नई दिल्ली , एजेंसी। गीता कालोनी स्थित यमुना खादर में सोमवार शाम चार यमुना नदी में नहाने के दौरान डूबे चार युवकों में से दो और शवों को रेस्क्यू आपरेशन के दौरान गोताखारों की टीम ने बरामद कर लिया है। इनकी पहचान हेमंत और राजन के रूप में हुई है। इससे पहले सोमवार को गोताखोरों ने सोनू का शव बरामद किया था। अब इनके चौथे साथी सचिन की तलाश जारी है। फिलहाल कोतवाली थाना पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए एलएन अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया है। उत्तरी जिले के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, सोमवार शाम करीब 7-20 बजे यमुना खादर में कुछ युवकों के डूबने की सूचना मिली थी। जांच करने पर पता चला कि चारों ने पहले शराब पी थी और उसके बाद नहाने के लिए नदी में उतर गए।

चौथे युवक की तलाश जारी: तेज बहाव की चपेट में आने से सभी गहरे पानी में समा गए। सूचना मिलते ही पुलिस, गोताखोरों, एंबुलेंस और दमकल की टीमे मौके पर पहुंच गई थीं। तुरंत अभियान शुरू किया। सोमवार देर शाम तक सोनू का शव बरामद किया गया। तीन अन्य युवकों की तलाश के लिए मंगलवार सुबह फिर से अभियान शुरू किया गया। गोताखोरों की मदद से राजन और हेमंत का शव भी बरामद कर लिया गया, जबकि चौथे व्यक्ति की तलाश लगातार जारी है। चारों लोग आपस में जानकार और दोस्त हैं और गीता कालोनी के रहने वाले हैं। चोरों पेशे से श्रमिक हैं।

राजनीतिक हितों के लिए सुप्रीम कोर्ट का इस्तेमाल नहीं कर सकती सरकार: सीजेपी

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर और सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि सरकार अपने राजनीतिक हितों के लिए सुप्रीम कोर्ट का इस्तेमाल नहीं कर सकती और न ही अदालत के आदेशों को अपने फायदे के लिए हथियार की तरह प्रयोग किया जाना चाहिए। सौरव दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, 'प्रदर्शनकारियों के संबंध में देश के सामने एक स्पष्ट सार्वजनिक वादा किया गया था, जिसका सम्मान होना चाहिए। सरकार को शांतिपूर्ण आंदोलन में शामिल लोगों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर वापस लेनी चाहिए और अपने आश्वासनों पर अमल करना चाहिए।' सीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि यदि कोई वास्तविक अपराधी खुलेआम घूम रहा है तो

पुलिस को उसके पुराने मामलों में कानूनी प्रक्रिया के तहत जमानत रद्द कराने के लिए अदालत का रुख करना चाहिए। ऐसे मामलों में यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि संबंधित व्यक्ति अब तक बिना किसी कार्रवाई के कैसे घूम रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ऐसे मामलों को आधार बनाकर सभी एफआईआर को आगे बढ़ाने का प्रयास नहीं कर सकती, क्योंकि इससे बाद में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को भी कार्रवाई के दायरे में लाया जा सकता है। उनके अनुसार, यदि सरकार को इस प्रकार की छूट मिलती है तो उसके दुरुपयोग की आशंका बनी रहेगी। सौरव दास ने कहा कि युवाओं को यह स्थिति स्वीकार नहीं होगी। उन्होंने दावा किया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल छात्र और युवा लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठा रहे थे और उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीजेपी उन सभी प्रदर्शनकारियों के साथ खड़ी रहेगी, जिन्होंने अपने और देश के भविष्य से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलन में हिस्सा लिया। उनके अनुसार, लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन नागरिकों का अधिकार है और सरकार को इस अधिकार का सम्मान करना चाहिए। सीजेपी प्रवक्ता ने सरकार से अपील की कि वह प्रदर्शनकारियों से किए गए सार्वजनिक वादों को पूरा करे और एफआईआर वापस लेने सहित सभी आश्वासनों को लागू करे। यदि ऐसा नहीं किया गया तो युवाओं में असंतोष और बढ़ सकता है।

कुमामोटो में भूकंप से हुई तबाही पर पीएम मेलोनी ने जताया दुख, जापान को मदद का दिया भरोसा

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने जापान के कुमामोटो प्रांत में आए भीषण भूकंप पर दुख जताते हुए पीड़ित लोगों के प्रता संवेदना व्यक्त की। उन्होंने इस मुश्कलि घड़ी में जापान के साथ इटली की एकजुटता और समर्थन का भरोसा दिलाया। मेलोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''जापान के लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। कुमामोटो प्रांत में आए भीषण भूकंप से जो तबाही हुई है, उससे प्रभावित सभी लोगों के बारे में मेरी सोच और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं। राहत और बचाव के काम में दिन-रात जुटे सभी लोगों का भी आभार, यह बहुत ही सराहनीय कार्य है।'' मेलोनी ने कहा कि? मेरी मित्र प्रधानमंत्री साने तकाइची और पूरे जापान देश के लिए इटली की सरकार की ओर से हमारी एकजुटता और पूरा समर्थन है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को दक्षिण-

पश्चिमी जापान में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। कई लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। जापान की फायर एंड डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी के अनुसार, स्थानीय दमकल विभाग से मिली जानकारी में बताया गया कि एयॉन मॉल कुमामोटो की दूसरी मंजिल का एक हिस्सा गिर गया है और कई लोगों के अंदर फंसे होने की आशंका है। रिपोर्ट के मुताबिक, दमकलकर्मी स्थिति की जांच करने और बचाव अभियान चलाने में जुटे हुए थे। सिन्हुआ समाचार की जानकारी के अनुसार, एजेंसी ने बताया कि घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है। हालांकि घायलों की संख्या और उनकी हालत के बारे में अभी जानकारी नहीं दी गई है। पुलिस और दमकल अधिकारियों के अनुसार, उन्हें शाम करीब छह बजे स्थानीय समय पर कई आपातकालीन कॉल मिलीं। कॉल करने वालों ने बताया कि एयॉन मॉल कुमामोटो से विस्फोट जैसी आवाज आई और सफेद धुआं उठता दिखाई दिया। यात्सुशिरो स्टेशन पर एक मालगाड़ी पटरी से उतरकर पलट गई, हालांकि ट्रेन चालक को कोई चोट नहीं आई। रिपोर्टों के मुताबिक, कुमामोटो में करीब 50 लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। स्थानीय दमकल विभाग को कई लोगों के अपने घरों के अंदर फंसे होने की सूचना भी मिली है।

हंगामे और हिंसा के बीच नवाज शरीफ की पार्टी ने पहले दौर में लहराया परचम

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के नतीजों का आधिकारिक ऐलान हो गया है। इन शुरुआती नतीजों में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज ने बहुत ही बड़ी और शानदार बढ़त हासिल की है। अनौपचारिक और शुरुआती नतीजों के मुताबिक पहले चरण की कुल 13 सीटों में से 9 सीटों पर नवाज शरीफ की पार्टी ने अपना मजबूत कब्जा जमाया है। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी को सिर्फ 4 सीटों पर ही जीत नसीब हो सकी है जो उनके लिए एक बहुत बड़ा झटका है।

चुनाव के पहले चरण में मीरपुर, कोटली और भीम्बर जिलों की 13 अहम सीटों पर बहुत ही कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान कराया गया था। यह मतदान प्रक्रिया शाम 5 बजे तक चली, लेकिन जो मतदाता पहले से मतदान केंद्र पर मौजूद थे उन्हें वोट डालने के लिए एक घंटे का अतिरिक्त समय भी दिया गया।

हालांकि इस पूरे मतदान के दौरान

कई जगहों पर भारी हिंसा, फायरिंग और बैलेट बॉक्स जलाने जैसी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और हिंसक घटनाएं भी सामने आई हैं। इसके बावजूद मतगणना का काम पूरा किया गया और अब चुनाव के नतीजे साफ तौर पर नवाज शरीफ की पार्टी के पक्ष में दिखाई दे रहे हैं।

नवाज शरीफ की पार्टी का दबदबा: शुरुआती नतीजों के अनुसार पीएमएल-एन ने मीरपुर, भीम्बर और कोटली जिलों की कई प्रमुख और अहम सीटों पर अपनी बहुत ही बड़ी जीत दर्ज की है। वहीं दूसरी तरफ पीपीपी ने मीरपुर और कोटली की कुल चार सीटों पर सफलता पाई है, जो उसकी उम्मीदों से काफी ज्यादा कम मानी जा रही है। इस चुनावी नतीजे ने यह बिल्कुल साफ कर दिया है कि पहले चरण में जनता का भारी समर्थन मुख्य रूप से नवाज शरीफ की पार्टी को ही मिला है। इन 9 सीटों पर भारी जीत के साथ पीएमएल-एन ने क्षेत्र की सत्ता पर अपना मजबूत दावा और भी ज्यादा पुख्ता कर लिया है।

मतदान के दौरान फायरिंग और मौत: मतदान के दौरान कोटली-2 के नकयाल इलाके के एक मतदान केंद्र पर अचानक भारी फायरिंग की घटना हुई जिसने पूरे इलाके में भारी सनसनी फैला दी। इस दुखद और खतरनाक हिंसक घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग बहुत ही बुरी तरह से घायल हो गए। पुलिस ने वहां की बिगड़ती स्थिति और तनाव को देखते हुए कुछ समय के लिए मतदान को पूरी तरह से रोक दिया था। पीपीपी का यह दावा है कि मारा गया व्यक्ति उनका कार्यकर्ता मुख्तार यूनुस था, जिसे पीएमएल-एन के समर्थकों ने जानबूझकर गोली मारी है।

बिलावल भुट्टो ने जताया कड़ा विरोध

पीपीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने इस दुखद और हिंसक घटना पर अपना कड़ा विरोध और बहुत गहरा दुख सार्वजनिक तौर पर व्यक्त किया है। उन्होंने मृतक के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताते हुए कहा कि चुनाव पूरी तरह से निष्पक्ष और बिना किसी हिंसा या विवाद के होने चाहिए। उन्होंने कड़ी चेतावनी दी कि अगर चुनाव विवादित होंगे तो भविष्य में बनने वाली नई सरकार के जनादेश पर भी बहुत गंभीर और बड़े सवाल उठेंगे। उन्होंने 12 रिफ्यूजी सीटों के बड़े विवाद को भी चुनाव से पहले पूरी तरह सुलझाने की बात कही थी जो अभी तक हल नहीं हुआ है।

बैलेट बॉक्स में लगाई गई आग

ला-6 भीम्बर में दो राजनीतिक दलों के उग्र समर्थकों के बीच एक बहुत बड़ी और हिंसक झड़प भी मतदान के दौरान स्पष्ट रूप से देखने को मिली। इस दौरान कुछ उपद्रवी लोगों ने एक बैलेट बॉक्स छीनकर उसमें आग लगा दी, जिसमें पहले से ही करीब 232 वोट मौजूद थे। इस भयानक घटना के तुरंत बाद सुरक्षा कारणों से वहां के दो मतदान केंद्रों पर चल रहे मतदान को पूरी तरह से रोक दिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

टैरिफ से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान नहीं होगा, इससे अरबों डॉलर का निवेश आएगा: ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि जबरन श्रम (फोर्स्ड लेबर) से जुड़े उत्पादों पर लगाए गए नए टैरिफ से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को कोई नुकसान नहीं होगा। उनका कहना है कि इन टैरिफ के कारण देश में सैकड़ों अरब डॉलर का निवेश आएगा। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज से बातचीत में कहा कि इस साल की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट द्वारा इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) के तहत लगाए गए शुल्क को रद्द किए जाने के बाद फोर्स्ड लेबर टैरिफ उसी उद्देश्य को हासिल करने का दूसरा तरीका है। अर्थव्यवस्था पर हाल में लगाए गए टैरिफ के असर को लेकर पूछे गए सवाल पर ट्रंप ने कहा, 'नहीं, क्योंकि इससे सैकड़ों अरब डॉलर आ रहे हैं।' पिछले सप्ताह अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव) ने व्यापार अधिनियम 1974 की धारा 301 के तहत 60 देशों पर 10 प्रतिशत से लेकर 12.5 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया था। अमेरिका का कहना है कि इन देशों ने जबरन श्रम से तैयार वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया। ट्रंप ने कहा, 'नहीं, नहीं, टैरिफ को लेकर अफसोस सिर्फ इतना है कि मुझे इसे लागू करने के लिए कठिन रास्ता अपनाना पड़ा, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने बहुत करीबी फैसले में मेरे खिलाफ फैसला दिया।' उन्होंने कहा, 'अब मेरे पास वही काम करने के दूसरे तरीके हैं, लेकिन वे अधिक जटिल हैं। हालांकि, टैरिफ ने इस देश को बहुत संपन्न बनाया है। इसने अमेरिका को समृद्ध किया है।

निर्माणाधीन अधोसंरचना में गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा : कलेक्टर

पीडब्ल्यूडी, आरईएस, पीआईयू, एमपीआरडीसी, पुलिस हाउसिंग और जल संसाधन विभाग के कार्यों की समीक्षा; धीमी परियोजनाओं में संसाधन बढ़ाकर काम तेज करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। , जिले में चल रहे विभिन्न विकास एवं अधोसंरचना निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता को लेकर कलेक्टर संजय कुमार जैन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्टर कक्ष में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित निर्माणाधीन परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (आरईएस), परियोजना क्रियान्वयन इकाई (पीआईयू), मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी), पुलिस हाउसिंग एवं अधोसंरचना विकास निगम तथा जल संसाधन विभाग सहित अन्य विभागों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई बैठक में कलेक्टर ने विभागवार निर्माणाधीन परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, कार्य की प्रगति, गुणवत्ता, स्वीकृत समय-सीमा और निर्माण के दौरान सामने आ रही बाधाओं की जानकारी ली उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले में संचालित प्रत्येक निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप ही कराया जाए निर्माण कार्यों में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के साथ ही निर्माण स्थलों पर सुरक्षा के सभी आवश्यक प्रावधानों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने को कहा गया। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने कहा कि अधोसंरचना परियोजनाएं जिले के विकास की आधारशिला होती हैं। सड़क, भवन, पुल, जल संसाधन और अन्य सार्वजनिक निर्माण से जुड़ी परियोजनाओं का सीधा संबंध आमजन की सुविधाओं और क्षेत्र के विकास से है इसलिए इन कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी निर्माण कार्य में गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाए। निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों और तकनीकी मानकों के अनुसार ही पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि केवल कार्य पूरा कर देना पर्याप्त नहीं है बल्कि निर्माण की गुणवत्ता ऐसी होनी चाहिए कि संबंधित अधोसंरचना लंबे समय तक उपयोगी बनी रहे और आमजन को इसका बेहतर लाभ मिल सके समीक्षा के दौरान जिन निर्माण कार्यों की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी पाई गई, उन्हें लेकर कलेक्टर ने संबंधित विभागों से कारणों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसे कार्यों में आवश्यकतानुसार अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराकर निर्माण की गति बढ़ाई जाए सभी परियोजनाओं को स्वीकृत समय-सीमा के भीतर पूरा करने के लिए विभागवार कार्ययोजना बनाकर प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा गया कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि अनावश्यक विलंब के कारण यदि परियोजनाओं की लागत, उपयोगिता या आमजन को मिलने वाला लाभ प्रभावित होता है तो इसे गंभीरता से लिया जाएगा उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक देरी सामने आने पर संबंधित एजेंसी और अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी केवल कार्यालय स्तर पर प्रगति रिपोर्ट के आधार पर निर्भर न रहें, बल्कि समय-समय पर निर्माण स्थलों का स्वयं निरीक्षण करें स्थलीय निरीक्षण के दौरान निर्माण की गुणवत्ता, सामग्री, कार्य की गति और सुरक्षा मानकों की जांच की जाए उन्होंने कार्यदायी एजेंसियों को भी निर्देश दिए कि निर्माण से जुड़ी किसी भी समस्या या बाधा की जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध कराएं, ताकि उसका समय पर निराकरण किया जा सके। विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर परियोजनाओं को निर्धारित समय में पूरा करने पर भी जोर दिया गया कलेक्टर ने कहा कि शासन द्वारा विकास एवं अधोसंरचना निर्माण के लिए स्वीकृत परियोजनाओं का उद्देश्य आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

जनसुनवाई में छात्रावास की छात्राओं ने उठाई समस्याएं, जांच टीम गठित

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में अपर कलेक्टर पीएस त्रिपाठी ने जिलेभर से आए नागरिकों के 248 आवेदनों पर सुनवाई की। बैढ़न स्थित आदिवासी बालिका छात्रावास की छात्राओं की शिकायत प्रमुख रूप से सामने आई छात्राओं ने छात्रावास में साफ-सफाई, पेयजल और भोजन की गुणवत्ता सहित विभिन्न अव्यवस्थाओं की शिकायत की उन्होंने वार्डन के पति राकेश कुमार पर अभद्र व्यवहार और प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की छात्राओं का कहना है कि शिकायत करने पर वार्डन के स्थान पर उनके पति सामने आते हैं उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वार्डन के पति का छात्रावास परिसर में रहना नियमानुसार नहीं है शिकायत के बाद सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग रेखा पांचाल ने जांच टीम गठित कर मौके पर निरीक्षण कराने के निर्देश दिए। आरोप सही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया गया अपर कलेक्टर ने सभी 248 आवेदनों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक निराकरण करने के निर्देश दिए उन्होंने लापरवाही पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी इसी दौरान यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की दुधीचुआ शाखा ने तीन दिवंगत खाताधारकों के नामित परिजनों को कुल 2.10 करोड़ की दुर्घटना बीमा राशि प्रदान की।

गुरु पूर्णिमा पर ग्रामोदय विश्वविद्यालय में गुरु-शिष्य परंपरा का गौरव, कुलगुरु बोल शिक्षा के साथ एक हुनर जरूर सीखें

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के सीएमसीएलडीपी सभागार स्थित बाल्मीकि सभागार में गुरु पूर्णिमा समारोह श्रद्धा, आस्था और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के साथ मनाया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन रहे, जबकि अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने की समारोह के प्रारंभ में अभय महाजन और कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित भारत रत्न राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए इसके बाद वृक्षारोपण किया गया। बाल्मीकि सभागार में मां सरस्वती एवं महर्षि संदीपनी के तैलचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ कुलसचिव प्रो. आज्ञनेय पांडेय ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया छात्र-छात्राओं ने मंचासीन गुरुजनों का अंगवस्त्र अर्पित कर सम्मान किया।

गुरु-शिष्य परंपरा संस्कार और राष्ट्र निर्माण का आधार: मुख्य अतिथि अभय महाजन ने कहा कि भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा केवल ज्ञान देने की व्यवस्था नहीं, बल्कि संस्कार, चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने समर्थ गुरु रामदास-छत्रपति शिवाजी महाराज और स्वामी विवेकानंद-रामकृष्ण परमहंस के प्रेरक प्रसंगों का उल्लेख किया उन्होंने कहा कि मनुष्य का पहला गुरु माता, दूसरा पिता और तीसरा समाज होता है उन्होंने राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख के जीवन-दर्शन 'मैं अपने लिए नहीं, अपनों के लिए हूँ' को समाज जीवन का आदर्श बताते हुए युवाओं से सेवा, समर्पण और राष्ट्रभाव के साथ जीवन जीने का आह्वान किया।

डिग्री के साथ कौशल भी जरूरी: कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने कहा कि भारतीय पर्व संस्कृति, परंपरा और जीवन-मूल्यों के संवाहक हैं। गुरु-शिष्य संबंध विश्वास, समर्पण और आत्मीयता पर आधारित होता है उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि केवल डिग्री हासिल करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिक्षा के साथ किसी एक हुनर या कौशल में दक्षता हासिल करना भी जरूरी है यही भविष्य में सफलता का मजबूत आधार बनेगा उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने, असफलताओं से निराश न होने, निरंतर संवाद बनाए रखने और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी छात्र-शिक्षक संवाद सत्र में आईटीईपी की छात्रा यामिनी तुरकर ने काव्य प्रस्तुति दी। विशाल दांगी ने गुरु-शिष्य परंपरा, मीना गर्ग ने समावेशी शिक्षा और अंकुश गभने ने गुरु के मार्गदर्शन की महत्ता पर विचार रखे।

सीधी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण, डॉक्टरों की नियमित अनुपस्थिति की शिकायत पर अधिकारियों को लगाई फटकार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के मझौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार शाम कलेक्टर विकास मिश्रा के औचक निरीक्षण से स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों में हड़कंप मच गया कलेक्टर ने अस्पताल पहुंचकर स्टाफ की उपस्थिति, स्वास्थ्य सुविधाओं और मरीजों को मिल रही सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सामने आई लापरवाही पर उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को कड़ी चेतावनी दी कलेक्टर ने सख्त लहजे में कहा कि 'काम नहीं करोगे तो सीधे बर्खास्त कर दूंगा, फिर हाईकोर्ट जाते रहना। हमें अपनी जनता का काम चाहिए बहानेबाजी नहीं।' उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी सेवा का उद्देश्य आम जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अस्पताल की व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने अस्पताल में मौजूद मरीजों से सीधे बातचीत कर उपचार, डॉक्टरों की उपलब्धता और स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। मरीजों की समस्याएं सामने आने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए कलेक्टर ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं सीधे लोगों के जीवन से जुड़ा संवेदनशील विषय हैं अस्पताल आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर बेहतर उपचार मिलना चाहिए उन्होंने निर्देश दिए कि मरीजों को इलाज के लिए अनावश्यक रूप से इधर-उधर न भटकना पड़े और शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय पर पहुंचे निरीक्षण के दौरान स्थानीय निवासी रोहित सिंह ने कलेक्टर को अस्पताल में डॉक्टरों की नियमित उपलब्धता को लेकर शिकायत की। उन्होंने बताया कि कई दिनों से डॉक्टर नियमित रूप से अस्पताल में उपलब्ध नहीं रहते, जिसके कारण मरीजों को उपचार के लिए परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस संबंध में पहले भी शिकायतें की गईं लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई शिकायत सुनने के बाद कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और स्टाफ की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कलेक्टर के सख्त तेवरों से अस्पताल स्टाफ में हड़कंप की स्थिति रही। निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों से स्पष्ट है कि जिला प्रशासन स्वास्थ्य संस्थानों में समय पर उपस्थिति, बेहतर उपचार और जवाबदेह व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपना रहा है।

सिंगरौली कोर्ट में शादी की प्रक्रिया कराने पहुंचे युवक-युवती को रोका, पुलिस को सौंपा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिला न्यायालय परिसर में बुधवार को युवक-युवती को लेकर हंगामा हो गया। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और अन्य सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने दोनों को अधिवक्ता के चेंबर से पकड़कर कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में दोनों के नाबालिग होने की जानकारी सामने आई है दोनों उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले से संबंधित बताए गए हैं जानकारी के अनुसार युवती सोनभद्र के बीना क्षेत्र की रहने वाली है, जबकि युवक सिंगरौली के बैढ़न क्षेत्र का निवासी बताया गया है। दोनों कथित तौर पर परिजनों की जानकारी के बिना न्यायालय पहुंचे थे अधिवक्ता अजीम खान के चेंबर में विवाह से संबंधित दस्तावेजी प्रक्रिया चलने की बात सामने आई। इसी दौरान सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता वहां पहुंचे और दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया विरोध कर रहे कार्यकर्ताओं ने शपथ आयुक्त पारसनाथ शाह की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप था कि दस्तावेजों पर हस्ताक्षर और सील लगाने की प्रक्रिया नियमों के अनुरूप नहीं थी मामले से संबंधित दस्तावेज फाड़े जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने का दावा भी किया जा रहा है हालांकि वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। संगठनों ने अधिवक्ता और शपथ आयुक्त के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने तथा संबंधित लाइसेंस निरस्त करने की मांग की है नगर पुलिस अधीक्षक ललित बैरागी ने बताया कि युवक-युवती को बजरंग दल के कार्यकर्ता थाने लेकर आए थे। प्रारंभिक जांच में सिंगरौली क्षेत्र में किसी अपराध की पुष्टि नहीं हुई है। दोनों के सोनभद्र क्षेत्र से संबंधित होने और नाबालिग होने की जानकारी के बाद उन्हें संबंधित पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है।

विधायक रीती पाठक ने चयनित युवाओं को ऑफर लेटर और हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र किए वितरित, 18 कंपनियों ने लिया हिस्सा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सीधी के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्वशासी संजय गांधी स्मृति स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में 'युवा संगम' रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया गया जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई सीधी, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा ग्रामीण आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में सीधी विधायक रीती पाठक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं कार्यक्रम के दौरान विधायक रीती पाठक ने विभिन्न निजी कंपनियों द्वारा प्रारंभिक रूप से चयनित युवाओं को ऑफर लेटर प्रदान किए। वहीं, विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के तहत चयनित 13 हितग्राहियों को कुल 30 लाख रुपए के ऋण एवं अनुदान का हितलाभ वितरित किया गया रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों को एक ही मंच पर उपलब्ध कराने वाले इस आयोजन में जिले के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया युवा संगम में देश, प्रदेश और स्थानीय स्तर की 18 निजी कंपनियों ने सहभागिता की। रोजगार प्राप्त करने के इच्छुक 1,167 युवक-युवतियों ने मेले में अपना पंजीयन कराया। कंपनियों के प्रतिनिधियों ने अभ्यर्थियों की शैक्षणिक योग्यता, कौशल और दक्षता के आधार पर साक्षात्कार लिया। प्रक्रिया के दौरान विभिन्न कंपनियों द्वारा 500 अभ्यर्थियों का प्रारंभिक रूप से चयन किया गया चयनित युवाओं को विधायक रीती पाठक ने ऑफर लेटर प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। रोजगार मेले में युवाओं को विभिन्न कंपनियों में उपलब्ध रोजगार अवसरों, आवश्यक योग्यताओं, कार्यक्षेत्र और करियर की संभावनाओं की जानकारी भी दी गई कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रीती पाठक ने कहा कि युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का शीघ्र निराकरण करें : कलेक्टर जैन

ई-केवाईसी, फार्मर रजिस्ट्री और राजस्व प्रकरणों में तेजी लाने के निर्देश, स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां समय पर पूरी करने को कहा

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बुधवार को कलेक्टर संजय कुमार जैन की अध्यक्षता में समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयोगों से प्राप्त पत्रों, सीएम मॉनिटर के प्रकरणों, विभिन्न विभागों में लंबित मामलों, जनसुनवाई के आवेदनों तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विभागवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करते हुए आमजन को समय पर राहत उपलब्ध कराई जाए कलेक्टर जैन ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन अधिकारियों द्वारा समय-सीमा पत्रों के जवाब निर्धारित समय में प्रस्तुत नहीं किए गए हैं, वे तत्काल अपना प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं उन्होंने सीएम मॉनिटरिंग से संबंधित लंबित प्रकरणों का भी शीघ्र निराकरण कर रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन स्तर से प्राप्त निर्देशों और जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी बैठक के दौरान सीएम हेल्पलाइन की स्थिति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने नॉट-अटेंडेड शिकायतों तथा 50 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों को प्राथमिकता से निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का केवल औपचारिक निराकरण न किया जाए बल्कि आवेदक की समस्या का संतुष्टिपूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए कलेक्टर ने सभी विभागों को अपनी प्रदर्शन ग्रेडिंग में सुधार करने तथा 'ए' ग्रेड प्राप्त करने के लिए गंभीरता से प्रयास करने को कहा उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की नियमित समीक्षा करें और लंबित मामलों को अनावश्यक रूप से आगे न बढ़ने दें कलेक्टर ने फार्मर रजिस्ट्री, समग्र ई-केवाईसी तथा खाद ई-केवाईसी की प्रगति की भी विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियानों का प्रभावी उपयोग करते हुए अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन सुनिश्चित किया जाए संबंधित विभाग मैदानी स्तर पर किसानों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराते हुए ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूर्ण कराने में सहयोग करें कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने उपसंचालक कृषि को खाद एवं बीज की गुणवत्ता की नियमित सैंपलिंग कराने के निर्देश दिए।

कागजों में महिला को मृत घोषित किया, छह महीने से योजनाओं का लाभ बंद

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सरई नगर परिषद के कोनी गांव निवासी सीता बसोर पिछले छह महीने से सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रही हैं। लिपिकीय त्रुटि के कारण सरकारी रिकॉर्ड में उन्हें मृत दर्ज कर दिया गया जिसके चलते उनकी समग्र आईडी का रिकॉर्ड हट गया और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ बंद हो गया। इसमें सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाला राशन भी शामिल है सीता के अनुसार, उनके पति का निधन करीब दो वर्ष पहले हो चुका है छह महीने पहले राशन और अन्य योजनाओं का लाभ मिलना बंद हुआ। संबंधित कार्यालय में जानकारी लेने पर उन्हें पता चला कि रिकॉर्ड में उनकी भी मृत्यु दर्ज है इसके बाद से वह खुद को जीवित साबित करने के लिए अधिकारियों के पास आवेदन दे रही हैं पीड़िता ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ उन्होंने बताया कि इस स्थिति के कारण उन्हें आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है सरई नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि मामला लिपिकीय त्रुटि के कारण हुआ है रिकॉर्ड में सुधार की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और प्रकरण सुधार के लिए भेजा गया है अब देखना होगा कि रिकॉर्ड सुधार के बाद सीता को योजनाओं का लाभ कब तक बहाल होता है और छह महीने की परेशानी का समाधान कैसे किया जाता है।

अराजकता का बचाव

संपादकीय

कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा के मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जहां पुलिस के अत्यधिक बल प्रयोग की जांच करने की जरूरत जताई, वहीं नाबालिग छात्रों और ऐसे अन्य लोगों को राहत देने का भी निर्देश जारी किया, जिनकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि न हो।

उसने यह जो स्पष्ट किया कि आपराधिक पृष्ठभूमि वालों को किसी तरह की राहत नहीं दी जा सकती, उसकी आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि कुछ लोग पुलिस पर हमला करने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों को भी माफी देने की मांग कर रहे थे। यदि इस आवश्यकता की पूर्ति नहीं होती तो उन तत्वों को बल ही मिलता, जो आंदोलन के दौरान अराजकता का सहारा लेने के आदी हो गए हैं। संविधान शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन की अनुमति देता है, न कि अराजक आंदोलन को। सीजेपी के संसद मार्च में हिंसा इसीलिए हुई, क्योंकि उसके समर्थकों की भीड़ में कुछ ऐसे तत्व भी थे, जिन्होंने पुलिस पर पथराव किया और जो बैरिकेडिंग तोड़कर बिना अनुमति संसद भवन की ओर जाने को आमादा थे। इसी कारण पुलिस बल प्रयोग को बाध्य हुई। जैसे पुलिस की आवश्यकता से अधिक सख्ती स्वीकार्य नहीं हो सकती, वैसे ही भीड़ की अराजकता भी। यदि भीड़ अराजकता नहीं दिखाती तो पुलिस को बल प्रयोग की जरूरत ही क्यों पड़ती?

यह खतरनाक है कि सीजेपी के लोगों को सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश रास नहीं आया कि आपराधिक अतीत वाले उन तत्वों को राहत नहीं मिलेगी, जिन्होंने हिंसा फैलाने के साथ पुलिस पर हमला किया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर उनकी आपत्ति उनके इस दावे की पोल खोलती है कि वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन के पक्षधर हैं। आखिर कोई अराजक तत्वों का बचाव कर शांतिपूर्ण आंदोलन कैसे कर सकता है?

अपने संसद मार्च में हिंसा पर सीजेपी प्रवक्ताओं का कहना था कि उनके समर्थकों में कुछ अराजक तत्व घुस आए थे। अब यदि इन तत्वों को दंड का भागीदार बनाने की बात हो रही है तो सीजेपी को कष्ट क्यों हो रहा है? क्या वे उनसे मिले हुए हैं? क्या वे इससे अनजान हैं कि प्रदर्शनकारियों के साथ बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं? आखिर ये पुलिसकर्मी कैसे चोटिल हो गए? सीजेपी के समर्थकों की भीड़ में अराजक तत्व भी शामिल थे, इसकी पुष्टि इससे होती है कि दिल्ली पुलिस ने फेस रिकग्निशन सिस्टम के जरिये यह पाया कि संसद मार्च के समय जंतर-मंतर और आसपास 2,873 ऐसे लोग थे, जिनका पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है। इनमें से नौ सौ के करीब ऐसे हैं, जिन पर हत्या, लूट और दुष्कर्म जैसे गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। ऐसे लोगों को राहत देने की मांग करना अराजकता का खुलकर समर्थन करना ही है।

रोजगार बाजार के अनुरूप ढले शिक्षा

प्रो. रसाल सिंह।

विकसित भारत के लक्ष्य की सबसे महत्वपूर्ण और मजबूत सीढ़ी शिक्षा है, लेकिन हाल के आंकड़े इस सीढ़ी की कमजोरी दर्शाते हैं। इंडिया स्किल्स रिपोर्ट के अनुसार देश में केवल 56 प्रतिशत स्नातक ही आज किसी छोटे-मोटे रोजगार के योग्य माने जा सकते हैं। औसतन हर दो में से एक युवा डिग्री लेकर भी समकालीन रोजगार बाजार की जरूरतों पर खरा नहीं उतर पा रहा है। दूसरी ओर इंडिया ग्रेजुएट स्किल इंडेक्स के अनुसार एआइ और मशीन लर्निंग से जुड़ी भूमिकाओं में रोजगार के अवसर पिछले एक साल में 46 प्रतिशत बढ़े हैं, जबकि एचआर, डिजिटल मार्केटिंग और सामान्य प्रशासन जैसी पारंपरिक नौकरियों की मांग लगातार घट रही है। अमेरिका, चीन, जापान सहित यूरोप के विश्वविद्यालय इस बदलाव को इतनी गंभीरता से ले रहे हैं कि उन्होंने एआइ के कारण अपने पारंपरिक कार्यक्रमों की घटती मांग को देखते हुए न सिर्फ उनकी फीस कम कर दी है, बल्कि बदलते रोजगार परिदृश्य के अनुरूप अपने विश्वविद्यालयी पाठ्यक्रमों में आमूलचूल परिवर्तन भी किया है। चीन ने पिछले महीने अपने 12 हजार से अधिक (लगभग एक तिहाई) स्नातक डिग्री कार्यक्रमों को अप्रासंगिक मानते हुए बंद कर दिया। ये वे पाठ्यक्रम थे, जो समकालीन और भविष्य के जाब मार्केट से मेल नहीं खाते। उनकी जगह चीन ने एआइ, रोबोटिक्स, सेमीकंडक्टर, क्वांटम एप्लीकेशन और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में नए कार्यक्रम शुरू किए हैं। इसकी मूल वजह यह थी कि वहां एक ओर डिग्रीधारी बेरोजगारों की संख्या क्रमशः बढ़ती जा रही थी और प्रतिष्ठानों को अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल कर्मी नहीं मिल पा रहे थे। भारत में भी पुराने और परंपरागत कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों को तत्काल समाप्त या संशोधित करने की आवश्यकता है। उभरते हुए रोजगार परिदृश्य और कौशल आवश्यकताओं के अनुरूप अपने शिक्षा-तंत्र को बदलकर ही हम उसे प्रासंगिक बनाए रख सकते हैं। आज फैक्ट्री से लेकर बाजार तक और डिजाइनिंग स्टूडियो से लेकर फाइनेंशियल एनालिसिस तक एआइ साथ-साथ काम कर रही है। इस नए युग को 'स्किल आग्मेंटेशन' की जरूरत है, जहां तकनीक इंसान की जगह नहीं लेती, बल्कि उसकी क्षमता बढ़ाती है। इसी कारण पिछले केंद्रीय बजट में 'शिक्षा के लिए एआइ' उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने हेतु 500 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। इसे इंडिया एआइ मिशन के साथ जोड़ा गया है। हमें इस मद में भारी मात्रा में निवेश की आवश्यकता है। साथ ही एआइ को केंद्र में रखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को पुनर्व्याख्यायित और क्रियान्वित करने की आवश्यकता है। शिक्षा और शोध में अधिकतम निवेश करने वाले देश ही आर्थिक महाशक्ति बनते हैं। पाठ्यक्रमों को फिर से डिजाइन करने के क्रम में हमें मानविकी को खत्म नहीं करना है, बल्कि उसे समकालीन आवश्यकताओं के अनुसार बदलना है। इतिहास को डाटा विजुअलाइजेशन के साथ, साहित्य को कंटेंट स्ट्रैटेजी और डिजिटल नैरेटिव के साथ दर्शन को एआइ एथिक्स के साथ और भाषाविज्ञान को कंप्यूटेशनल सिमेंटिक्स के साथ जोड़ना होगा। इसे ही डिजिटल ह्यूमैनिटीज और कल्चरल एनालिटिक्स कहा जाता है। इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम को भी लीगेसी तकनीकों से निकालकर सिस्टम थिंकिंग और एनर्जी ट्रांजिशन के इर्द-गिर्द बनाना होगा। हमें लचीलेपन और बहु-विषयकता को बढ़ावा देना चाहिए। एक छात्र बीकाम के साथ डाटा एनालिटिक्स पढ़ सके, बीए के साथ कोडिंग सीख सके, विज्ञान के साथ उद्यमिता का प्रोजेक्ट कर सके। एनईपी का मेजर-माइनर सिस्टम इसी सोच से आया है। दीवारें तोड़कर वातायन बनाने होंगे। कला, वाणिज्य, विज्ञान के पुराने खांचे अब काम नहीं आएंगे। समाज, उद्योग और बाजार के साथ सहवर्ती संबंध और निरंतर संवाद होना चाहिए। पाठ्यक्रम बंद कमरे में नहीं बनने चाहिए। टीसीएस, इन्फोसिस, एमएसएमई, स्टार्टअप इकोसिस्टम और क्षेत्रीय उद्योगों को बोर्ड आफ स्टडीज में जगह मिलनी चाहिए। इंटर्नशिप दो माह की औपचारिकता न होकर छह माह की परियोजना होनी चाहिए।

पेपर लीक पर गैर-भाजपा सरकारों से जवाबदेही कब

भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल रोजगार का माध्यम नहीं हैं, बल्कि करोड़ों युवाओं के सपनों, परिवारों की उम्मीदों और सामाजिक न्याय की आधारशिला भी हैं। कोई भी परीक्षा तभी सार्थक मानी जाती है जब उसमें प्रतिभा, मेहनत और निष्पक्षता का सम्मान हो। लेकिन जब प्रश्नपत्र लीक हो जाता है, तो केवल एक परीक्षा प्रभावित नहीं होती, बल्कि पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। दुर्भाग्य यह है कि ऐसी घटनाओं पर देश में सबसे पहले समाधान की नहीं, बल्कि राजनीति की शुरुआत होती है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल पड़ता है और छात्रों का भविष्य राजनीतिक बहस का विषय बनकर रह जाता है। पिछले कुछ वर्षों में देश के अनेक राज्यों में पेपर लीक की घटनाएं सामने आई हैं। कहीं शिक्षक भर्ती परीक्षा प्रभावित हुई, कहीं पुलिस भर्ती, कहीं लोक सेवा आयोग की परीक्षा तो कहीं अन्य प्रतियोगी परीक्षाएं।

डॉ. सत्यवान सौरभ

इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि पेपर लीक किसी एक राज्य, किसी एक दल या किसी एक परीक्षा संस्था की समस्या नहीं है। यह पूरे परीक्षा तंत्र की चुनौती है। फिर भी राजनीतिक दल इस मुद्दे को अपने-अपने हितों के अनुसार प्रस्तुत करते हैं। जब राष्ट्रीय स्तर की किसी परीक्षा में गड़बड़ी होती है, तब विपक्ष केंद्र सरकार और संबंधित मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की मांग करता है। यह लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है। सरकार से जवाब मांगना विपक्ष का दायित्व है। लेकिन यही प्रश्न तब और महत्वपूर्ण हो जाता है जब गैर-भाजपा शासित राज्यों में बार-बार पेपर लीक की घटनाएं सामने आती हैं। वहां वही राजनीतिक दल, जो केंद्र में नैतिकता और जवाबदेही की बात करते हैं, अक्सर इसे केवल प्रशासनिक चूक बताकर आगे बढ़ जाते हैं। यहीं से दोहरे मानदंडों की बहस शुरू होती है। लोकतंत्र में नैतिकता का अर्थ यह नहीं कि वह केवल विरोधी दल पर लागू हो। यदि किसी सरकार से इस्तीफे की मांग उचित है तो वही कसौटी हर सरकार पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। जवाबदेही दल देखकर तय नहीं हो सकती। यदि भाजपा शासित राज्य में पेपर लीक सरकार की विफलता है तो गैर-भाजपा सरकारों में वही घटना केवल अधिकारियों की गलती कैसे बन जाती है? यदि एक जगह मंत्री से इस्तीफे की मांग होती है तो दूसरी जगह वही मांग अनुचित क्यों मानी जाती है? दरअसल, भारतीय राजनीति में नैतिकता का पैमाना अक्सर सत्ता और विपक्ष के साथ बदल जाता है। विपक्ष में रहते हुए हर दल जवाबदेही की सबसे ऊंची बातें करता है, लेकिन सत्ता में आते ही वही दल जांच, प्रक्रिया और प्रशासनिक कारणों का हवाला देने लगता है। यह प्रवृत्ति किसी एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं है। लगभग सभी दल समय-समय पर इसी राजनीतिक सुविधा के शिकार हुए हैं। इसलिए समस्या किसी दल विशेष की नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति की है। हालांकि यह भी उतना ही सच है कि विपक्ष का दायित्व केवल सवाल उठाना नहीं, बल्कि अपने शासनकाल में बेहतर उदाहरण प्रस्तुत करना भी है। यदि कोई दल भाजपा सरकारों से इस्तीफे की मांग करता है, तो उसे अपने राज्यों में भी वही नैतिक मानदंड अपनाने चाहिए। लोकतंत्र में विश्वसनीयता तभी बनती है जब सिद्धांत सत्ता बदलने के साथ न बदलें पेपर लीक का सबसे बड़ा नुकसान उस छात्र को होता है जिसने वर्षों तक कठिन परिश्रम किया होता है। हजारों-लाखों रुपये कोचिंग, पुस्तकों, आवेदन शुल्क और रहने-खाने पर खर्च होते हैं। परिवार अपनी आवश्यकताओं में कटौती कर बच्चों की पढ़ाई पर निवेश करता है। परीक्षा रद्द होने का अर्थ केवल एक नई तारीख नहीं होता, बल्कि मानसिक तनाव, आर्थिक नुकसान और भविष्य को लेकर गहरी अनिश्चितता भी होता है। कई बार उम्र सीमा पार होने का खतरा भी छात्रों के सामने खड़ा हो जाता है। ऐसे में राजनीतिक दलों के बयान छात्रों के घावों पर मरहम नहीं लगा सकते। पेपर लीक की घटनाएं यह भी बताती हैं कि केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं है। यदि प्रश्नपत्र सुरक्षित रखने, मुद्रण, परिवहन, डिजिटल सुरक्षा और परीक्षा केंद्रों की निगरानी में कमियां बनी रहेंगी तो अपराधी नए रास्ते खोज लेंगे। इसलिए आवश्यकता मजबूत तकनीकी व्यवस्था, पारदर्शी प्रक्रियाओं और समयबद्ध जांच की है। दोषियों को शीघ्र और कठोर दंड मिलना चाहिए ताकि भविष्य में कोई ऐसा अपराध करने का साहस न कर सके। इसके साथ ही शीर्ष स्तर की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। इसका अर्थ यह नहीं कि हर घटना पर तुरंत इस्तीफा ही एकमात्र समाधान है। लेकिन यदि किसी विभाग में लगातार पेपर लीक हो रहे हों, यदि सुरक्षा व्यवस्था बार-बार विफल हो रही हो और यदि निगरानी में गंभीर लापरवाही सामने आए, तो मंत्री और शीर्ष अधिकारियों की नैतिक जिम्मेदारी से इनकार नहीं किया जा सकता। उच्च पद केवल अधिकार नहीं देता, बल्कि उससे कहीं अधिक उत्तरदायित्व भी देता है। गैर-भाजपा सरकारों के संदर्भ में यह प्रश्न इसलिए उठता है क्योंकि राजनीतिक विमर्श में अक्सर भाजपा शासित राज्यों की घटनाओं को प्रमुखता से उठाया जाता है, जबकि अन्य राज्यों में हुई समान घटनाओं पर अपेक्षाकृत कम चर्चा होती है। यदि लोकतंत्र में समानता का सिद्धांत स्वीकार है तो चर्चा भी समान होनी चाहिए और जवाबदेही भी। जनता यह नहीं देखती कि सरकार किस दल की है; वह यह देखती है कि उसके बच्चों का भविष्य सुरक्षित है या नहीं। मीडिया की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। यदि मीडिया केवल राजनीतिक दृष्टिकोण से घटनाओं को प्रस्तुत करेगा तो वास्तविक समस्या पीछे छूट जाएगी। पत्रकारिता का दायित्व तथ्यों को सामने लाना, जांच की दिशा पर नजर रखना और छात्रों की आवाज़ को प्रमुखता देना है। मीडिया को सत्ता और विपक्ष दोनों से समान कठोरता के साथ प्रश्न पूछने चाहिए। यही लोकतंत्र की आत्मा है। सोशल मीडिया ने भी इस बहस को नया आयाम दिया है। यहां कई बार तथ्यों से अधिक राजनीतिक प्रचार दिखाई देता है। समर्थक अपने-अपने दल का बचाव करते हैं और विरोधियों पर आरोप लगाते हैं। परिणाम यह होता है कि पेपर लीक जैसे गंभीर विषय पर भी विमर्श समाधान की जगह राजनीतिक ध्रुवीकरण में बदल जाता है। इससे छात्रों का भरोसा और कमजोर होता है। समय की मांग है कि परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह आधुनिक बनाया जाए। प्रश्नपत्रों की डिजिटल एन्क्रिप्शन प्रणाली, सुरक्षित वितरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी, परीक्षा केंद्रों का वैज्ञानिक चयन और स्वतंत्र ऑडिट जैसी व्यवस्थाओं को मजबूत किया जाए। साथ ही एक ऐसी स्वतंत्र परीक्षा निगरानी संस्था का गठन किया जाए जो किसी भी राजनीतिक प्रभाव से मुक्त होकर पूरे तंत्र की निगरानी करे। इससे जनता का विश्वास भी बढ़ेगा और जवाबदेही भी स्पष्ट होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि राजनीतिक दलों को इस मुद्दे पर न्यूनतम साझा नैतिक मानक विकसित करने होंगे। यदि किसी सरकार से विपक्ष में रहते हुए इस्तीफे की मांग की जाती है, तो सत्ता में आने पर उसी सिद्धांत को स्वीकार करने का साहस भी होना चाहिए। लोकतंत्र की विश्वसनीयता भाषणों से नहीं, आचरण से बनती है। आज भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में है। यह युवा शक्ति तभी देश की ताकत बनेगी जब उसे निष्पक्ष अवसर मिलेंगे। यदि प्रतियोगी परीक्षाओं पर भरोसा कमजोर पड़ता गया तो प्रतिभा का मनोबल टूटेगा और व्यवस्था के प्रति अविश्वास बढ़ेगा। यह किसी भी राष्ट्र के लिए शुभ संकेत नहीं हो सकता। इसलिए प्रश्न केवल इतना नहीं है कि पेपर लीक कहां हुआ। प्रश्न यह है कि वहां जवाबदेही किसकी तय हुई। यदि भाजपा शासित राज्यों में नैतिक जिम्मेदारी की मांग उचित है तो गैर-भाजपा सरकारों में भी वही कसौटी लागू होनी चाहिए। और यदि किसी राज्य में जांच पूरी होने तक इस्तीफे की आवश्यकता नहीं मानी जाती, तो यही सिद्धांत हर सरकार पर समान रूप से लागू होना चाहिए। लोकतंत्र चयनात्मक नैतिकता पर नहीं, समान मानकों पर चलता है। अंततः देश के युवाओं को राजनीतिक बयान नहीं, भरोसेमंद व्यवस्था चाहिए। उन्हें यह विश्वास चाहिए कि उनकी मेहनत किसी भ्रष्ट तंत्र की भेंट नहीं चढ़ेगी। यह विश्वास तभी लौटेगा जब हर सरकार, चाहे वह किसी भी दल की हो, पेपर लीक जैसी गंभीर घटनाओं पर समान जवाबदेही स्वीकार करेगी। शिक्षा और रोजगार के प्रश्न दलगत राजनीति से ऊपर हैं। इन्हें वोट की राजनीति का हथियार नहीं, राष्ट्र निर्माण का आधार माना जाना चाहिए।

यही कारण है कि आज सबसे बड़ा प्रश्न केवल यह नहीं है कि 'पेपर लीक पर गैर-भाजपा सरकारों से जवाबदेही कब?' बल्कि यह भी है कि क्या भारत की राजनीति कभी ऐसी परिपक्वता दिखाएगी, जहां नैतिकता का पैमाना सत्ता बदलने के साथ न बदले? जिस दिन इस प्रश्न का ईमानदार उत्तर मिल जाएगा, उसी दिन छात्रों का व्यवस्था पर विश्वास भी मजबूत होना शुरू हो जाएगा।

परीक्षा के साथ शिक्षा में भी हो सुधार

मेडिकल कालेजों में प्रवेश की परीक्षा नीट में एक लाख से अधिक स्थानों के लिए 22 लाख से अधिक छात्र बैठते हैं। यह चीनी यूनिवर्सिटियों में प्रवेश दिलाने वाली गाओकाओ परीक्षा के बाद दुनिया की सबसे बड़ी प्रतियोगी परीक्षा है। पेपर लीक होने और परीक्षा रद होने से छात्रों की की मेहनत और लाखों की कोचिंग पर पानी फिर जाता है। नीट जैसी लीक गाओकाओ में नहीं हो सकती, क्योंकि पेपर सेट करने वालों का संपर्क काटकर उन्हें परीक्षा शुरू होने तक गुप्त स्थानों पर रखा जाता है और पेपर कड़ी सुरक्षा के साथ सेना की गाड़ियों में परीक्षा के केंद्रों तक भेजे जाते हैं।

शिवकांत शर्मा

हालांकि भारत में भी इंजीनियरिंग और तकनीकी संस्थानों में प्रवेश के लिए परीक्षाओं से लेकर संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के बिना संपन्न होती हैं, परंतु नीट में इसकी शुरुआत से ही गड़बड़ियां होती रही है। सीबीएसई और नेट जैसी परीक्षाओं में तो पेपर लीक के अलावा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में भी गड़बड़ी के मामले सामने आए। गड़बड़ियां केंद्रीय परीक्षा एजेंसी एनटीए की परीक्षाओं में ही नहीं, बल्कि राज्य एजेंसियों की परीक्षाओं में भी हो रही हैं। इसलिए प्रवेश और भर्तियों की प्रतियोगी परीक्षाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, सीमित होते स्थान और फैलते कदाचार को देखते हुए केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर एक ऐसी रणनीति बनाने की आवश्यकता है, जो परीक्षाओं की विश्वसनीयता बहाल कर सके। प्रतियोगी परीक्षाओं को पारदर्शी बनाने के लिए सुनिश्चित करना होगा कि पेपर सेट करने वाले सुयोग्य और सत्यनिष्ठा संपन्न हों। कोचिंग उद्योग के साथ उनका कोई संबंध न हो। पेपर सेट होने के बाद से परीक्षा होने तक वे कड़ी निगरानी में रहें और पेपर बनने से लेकर वितरण तक का काम संघ लोक सेवा आयोग जैसी किसी विश्वसनीय एजेंसी के हाथों में रहे। इसके साथ ही अभ्यर्थियों के तथ्यात्मक ज्ञान की परख करने की जगह अब उनकी समाधान बुद्धि और मौलिक विचारशक्ति को अधिक परखने की जरूरत है। इससे एक तो इन परीक्षाओं पर कोचिंग उद्योग का शिकंजा ढीला पड़ेगा। दूसरे चयन ऐसे प्रत्याशियों का होगा, जो एआइ के तेज विकास के कारण रोजगारों के बदलते स्वरूप के साथ भी बड़ी आसानी से सामंजस्य बिठा सकेंगे। एआई के बारे पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के साथ हुई बातचीत में एलन मस्क ने कहा था, 'हमने इतिहास की सबसे विघटनकारी शक्ति पैदा कर ली है। ऐसा कोई काम नहीं बचेगा, जिसे यह न कर सके। अब हमें सोचना होगा कि हम क्या करना चाहते हैं?' अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा है कि एआइ का असर दुनिया की करीब 40 प्रतिशत नौकरियों पर हो सकता है। सहायक, सचिव, सलाहकार, विश्लेषक, सर्वेक्षक, कोडर, डिजाइनर और अनुवादक जैसे काम एआइ से कराए जा सकेंगे। नए कौशल सीखने में तत्पर, समाधान बुद्धि रखने वाले, समीक्षात्मक चिंतन और रचनात्मक स्वभाव वाले लोगों की मांग बढ़ेगी। भारत में हर साल लगभग एक करोड़ छात्र स्नातक बनते हैं, जिनमें 17 लाख से अधिक इंजीनियर, एमबीए और डाक्टर होते हैं। हालांकि व्यावसायिक और औद्योगिक कौशल नहीं होने के कारण चार में से केवल एक एमबीए, पांच में से एक इंजीनियर और हर दस में से एक स्नातक ही काम पर लगाने लायक होता है। यह ऐसा टाइम बम है, जो भारत का वरदान समझी जाने वाली युवा शक्ति को अभिशाप में बदल सकता है। इसे अभिशाप में बदलने से रोकने के लिए शिक्षा प्रणाली में उद्योगों और कारोबारों की मांग के हिसाब से आमूल और निरंतर सुधार करने की आवश्यकता है। 2020 से लागू हुई शिक्षा नीति में खेलकूद और बुनियादी कौशल को पाठ्यक्रमों में जोड़कर सुधार के कुछ प्रयास किए गए हैं। परीक्षा प्रणाली को भी तार्किकता और समझ आधारित बनाने की कोशिश की गई है, परंतु वह पर्याप्त नहीं है। भारतीय शिक्षा श्रम के प्रति हीन भावना पैदा करती है। यही उसकी मूल समस्या है। वह छात्रों को रोजगार के लिए नहीं, बाबूशाही और अफसरशाही के लिए तैयार करती है। इसीलिए काम-धंधों के संदर्भ में पकौड़े या चाय बेचने वाले की मिसाल का भी मजाक उड़ाया जाता है। गांधी जी इसे समझते थे। इसलिए 'नई तालीम' में उन्होंने कौशल केंद्रित शिक्षा को अनिवार्य बताया था। वही शिक्षा प्रणाली एआइ की चुनौतियों का असली समाधान बन सकती है। इसका प्रमाण जर्मनी की शिक्षा प्रणाली में देखा जा सकता है, जहां किताबी शिक्षा के साथ-साथ कामकाजी और प्रायोगिक शिक्षा का अनूठा संगम है। छात्रों के लिए सातवीं कक्षा से ही कई विकल्प खुल जाते हैं। मसलन वे उच्च अकादमिक संस्थानों के लिए तैयार करने वाले विशिष्ट माध्यमिक स्कूलों में जा सकते हैं, जहां प्रवेश के लिए परीक्षा देनी होती है या सामान्य माध्यमिक स्कूलों में जा सकते हैं, जहां किताबी के साथ-साथ कामकाजी शिक्षा के तमाम विकल्प होते हैं या फिर सीधे कामकाजी स्कूल में या फिर तकनीकी स्कूल में जा सकते हैं, जहां उन्हें रुचि और प्रतिभा के आधार पर विभिन्न काम-धंधों, पेशों और व्यवसायों की शिक्षा दी जाती है। इसे दोहरी शिक्षा प्रणाली कहा जाता है, क्योंकि यह किताबी शिक्षा को काम के प्रशिक्षण के साथ मिलाकर चलती है। कामकाजी प्रशिक्षण के लिए हर जिले के उद्योग-धंधों को स्कूलों के साथ जोड़ा गया है, जिससे स्नातकों को अधुनातन कौशल सीखने को मिलते हैं, जिनकी उद्योग-धंधों को जरूरत होती है। छात्रों को काम सीखने के साथ-साथ उसका पैसा भी मिलता है और पढ़ाई के बाद काम मिलने की संभावना भी बढ़ती है। इस प्रणाली की सबसे अच्छी बात यह है कि छात्रों और समाज में भारत की तरह काम-धंधों के प्रति हीन भावना नहीं है। नाई या बढ़ई के पेशे का भी वही सम्मान है, जो फैशन डिजाइनर या दंत चिकित्सक का है। यही वजह है कि जर्मनी में बेरोजगारी की दर सबसे कम है। भारत को भी ऐसी ही शिक्षा प्रणाली की जरूरत है। दुर्भाग्य यह है कि शिक्षा सुधारों पर गंभीर चर्चा करने की जगह हमारी संसद में खाली शोर मचता है, जो देश की युवा पीढ़ी के मातम की तरह है।

‘नशे से दूरी है जरूरी 2.0’ को वैश्विक पहचान: बड़वानी पुलिस का अभियान वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा नशामुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से संचालित ‘नशे से दूरी है जरूरी 2.0’ अभियान अब जनभागीदारी से आगे बढ़कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहा है मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व और पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत बड़वानी और बुरहानपुर जिलों में विद्यार्थियों की व्यापक भागीदारी ने नशामुक्ति के संदेश को नई मजबूती दी है। अभियान के अंतर्गत बड़वानी पुलिस की ओर से जिले के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में नशामुक्ति विषय पर चित्रकला और स्लोगन लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन गतिविधियों में विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लेकर नशे के दुष्प्रभावों को अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से सामने रखा। विद्यार्थियों ने 16 हजार 700 ड्राइंग शीट्स पर चित्र और स्लोगन तैयार कर समाज को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। विद्यार्थियों की इस व्यापक सहभागिता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है। वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन द्वारा बड़वानी पुलिस की इस अभिनव पहल को रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। बावनगजा में आयोजित एक समारोह में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की टीम ने बड़वानी पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल को मेडल और प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया यह उपलब्धि न केवल बड़वानी पुलिस के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि नशामुक्ति जैसे सामाजिक सरोकार को जनभागीदारी के माध्यम से आगे बढ़ाने के प्रयास की भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान है। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए हजारों चित्रों और स्लोगनों ने यह संदेश दिया कि नशे के खिलाफ लड़ाई में समाज के हर वर्ग की भूमिका महत्वपूर्ण है अभियान के इसी क्रम में बुरहानपुर जिले में भी विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। जिले के 113 विद्यालयों के 32 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने एक साथ नशामुक्ति से संबंधित संदेश लिखकर हस्ताक्षर किए और नशे से दूर रहने के साथ-साथ समाज को भी जागरूक करने का सामूहिक संकल्प लिया बुरहानपुर पुलिस ने विद्यार्थियों की इस व्यापक भागीदारी को विश्व रिकॉर्ड के रूप में दर्ज कराने के लिए आवश्यक दस्तावेज, फोटोग्राफ, वीडियो और अन्य प्रमाण जुटाकर सत्यापन के लिए भेजे हैं अब इस पहल से संबंधित रिकॉर्ड की प्रक्रिया और सत्यापन के बाद आगे की स्थिति स्पष्ट होगी बुरहानपुर में आयोजित इस गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देना नहीं, बल्कि उन्हें सामाजिक जागरूकता का सक्रिय सहभागी बनाना भी रहा हजारों विद्यार्थियों के एक साथ संकल्प लेने से अभियान को व्यापक जनसमर्थन मिला बड़वानी और बुरहानपुर में आयोजित गतिविधियों में विद्यार्थियों ने नशे के खिलाफ अपनी रचनात्मक सोच और प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। चित्रकला और स्लोगन लेखन के माध्यम से विद्यार्थियों ने नशे से होने वाले सामाजिक, शारीरिक और पारिवारिक दुष्प्रभावों को सामने रखा वहीं बुरहानपुर में विद्यार्थियों ने सामूहिक संकल्प के जरिए नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संदेश दिया इन दोनों पहलों से यह भी सामने आया कि नशामुक्ति की लड़ाई केवल पुलिस की कार्रवाई तक सीमित नहीं है। इसके लिए परिवार, विद्यालय, युवा, सामाजिक संगठन और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक इसी सोच के साथ मध्यप्रदेश पुलिस ने अभियान को जनजागरूकता और जनसहभागिता से जोड़ने का प्रयास किया है।

सेवा सेतु पोर्टल से बैगा परिवार को मिला अंत्योदय राशन कार्ड

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नागरिकों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किए गए सेवा सेतु पोर्टल का लाभ अब दूरस्थ क्षेत्रों और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय परिवारों तक भी पहुंच रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत भरतपुर क्षेत्र में निवासरत राजकली बैगा के परिवार को सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से अंत्योदय राशन कार्ड जारी किया गया है राजकली बैगा के परिवार ने अंत्योदय राशन कार्ड के लिए सेवा सेतु पोर्टल के जरिए ऑनलाइन आवेदन किया था। आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद आवश्यक औपचारिकताएं निर्धारित समय-सीमा में पूरी की गईं और पात्र परिवार को राशन कार्ड जारी कर दिया गया अंत्योदय राशन कार्ड जारी होने से परिवार को अब सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत निर्धारित खाद्यान्न सहित पात्र सुविधाओं का नियमित लाभ मिल सकेगा। इससे परिवार की खाद्य सुरक्षा मजबूत होने के साथ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र हितग्राही तक पहुंचने का रास्ता आसान हुआ है ऑनलाइन प्रक्रिया के कारण परिवार को आवेदन के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े इससे समय और श्रम की बचत हुई तथा पूरी प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक और पारदर्शी रही सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से विभिन्न विभागों की अनेक शासकीय सेवाएं एकीकृत डिजिटल मंच पर उपलब्ध कराई जा रही हैं नागरिक ऑनलाइन आवेदन करने के साथ अपनी सेवा की प्रगति की जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं पोर्टल से सेवा वितरण में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता को बढ़ावा मिल रहा है विशेष रूप से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों और वंचित वर्गों तक सरकारी योजनाओं की पहुंच मजबूत करने में यह पहल महत्वपूर्ण साबित हो रही है राजकली बैगा के परिवार को अंत्योदय राशन कार्ड मिलना डिजिटल माध्यम से पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में एक सकारात्मक उदाहरण है।

आमाखेरवा ग्राउंड में गूंजेगा आजादी का जश्न,

मनेन्द्रगढ़ में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां तेज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व को गरिमामय और भव्य तरीके से मनाने के लिए मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में तैयारियां तेज कर दी गई हैं जिला स्तरीय मुख्य समारोह 15 अगस्त को मनेन्द्रगढ़ के आमाखेरवा ग्राउंड में आयोजित होगा। समारोह की व्यवस्थाओं को लेकर जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभागवार जिम्मेदारियां तय करते हुए अधिकारियों को समय-सीमा में तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए। समारोह के सफल संचालन के लिए अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार को संपूर्ण कार्यक्रम का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है उन्हें मुख्य अतिथि को सर्किट हाउस से समारोह स्थल तक लाने की व्यवस्था की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता और समयबद्धता के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए। मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा सुबह 9 बजे ध्वजारोहण किया इसके बाद जिला पुलिस, होमगार्ड और छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के जवानों द्वारा मार्च पास्ट प्रस्तुत किया जाएगा परेड को अनुशासित एवं आकर्षक बनाने के लिए 9 अगस्त से आमाखेरवा ग्राउंड में अभ्यास शुरू होगा वहीं 13 अगस्त को सुबह 8:30 बजे फाइनल ड्रेस रिहर्सल आयोजित की जाएगी। उत्कृष्ट परेड दल के चयन के लिए विशेष मूल्यांकन समिति भी गठित की गई है समारोह स्थल की साफ-सफाई, पेयजल, बैरिकेडिंग और वाटरप्रूफ वीआईपी टेंट की व्यवस्था की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को दी गई है अधिकारियों को आयोजन स्थल पर सभी आवश्यक सुविधाएं समय से पहले सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वतंत्रता दिवस समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीद परिवारों का विशेष सम्मान किया जाएगा संबंधित थाना प्रभारियों को उन्हें सम्मानपूर्वक समारोह स्थल तक लाने और कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वापस पहुंचाने की जिम्मेदारी दी गई है महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सम्मान स्वरूप शॉल और श्रीफल की व्यवस्था की जाएगी समारोह के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और कर्मचारियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा विभागों के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पात्र कर्मचारियों की सूची 13 अगस्त तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं इसके अलावा समारोह स्थल पर चिकित्सा दल, फायर ब्रिगेड, उच्च गुणवत्ता की माइक एवं ध्वनि व्यवस्था, विद्युत बैकअप और आकर्षक रंगोली सहित अन्य आवश्यक इंतजाम किए जाएंगे। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि राष्ट्रीय पर्व के आयोजन में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय-सीमा में तैयारियां पूरी कर समारोह को भव्य, सुव्यवस्थित और गरिमामय स्वरूप प्रदान करें।

नैनो डीएपी से खेती में नई उम्मीद, फुनगा के किसान बाबालाल ने पहली बार अपनाया आधुनिक उर्वरक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए किसानों को नैनो उर्वरकों के उपयोग के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि विभाग के प्रयासों और किसानों के अनुभवों का असर अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी दिखाई देने लगा है। इसी क्रम में खड़गवां विकासखंड के ग्राम फुनगा निवासी किसान बाबालाल ने इस खरीफ सीजन में पहली बार अपनी फसल में नैनो डीएपी का उपयोग करने का निर्णय लिया है किसान बाबालाल अपनी खेती के लिए प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति पहुंचे और वहां से नैनो डीएपी प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि खेती में आधुनिक तकनीकों को अपनाकर किसान कम लागत में बेहतर उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं इसी सोच के साथ उन्होंने इस वर्ष अपनी फसल में नैनो डीएपी का प्रयोग करने का फैसला किया है बाबालाल ने बताया कि पिछले वर्ष उनके गांव और आसपास के कई किसानों ने नैनो डीएपी का उपयोग किया था उनके खेतों में फसल की बढ़वार अच्छी दिखाई दी और उत्पादन भी बेहतर रहा। आसपास के खेतों में सकारात्मक परिणाम देखने के बाद नैनो

डीएपी को लेकर उनका भरोसा बढ़ा और उन्होंने स्वयं भी इसे आजमाने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि वे पहली बार नैनो डीएपी का उपयोग कर रहे हैं पिछले साल आसपास के किसानों की फसल में इसके उपयोग के बाद दिखाई दिए अच्छे परिणामों से उन्हें प्रेरणा मिली अब उन्हें उम्मीद है कि उनकी फसल की बढ़वार बेहतर होगी और उत्पादन में भी वृद्धि देखने को मिलेगी किसान बाबालाल ने नैनो डीएपी की आसान परिवहन सुविधा को भी उपयोगी बताया उन्होंने कहा कि पारंपरिक उर्वरकों की भारी बोरियों की तुलना में नैनो डीएपी की छोटी बोतल को आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाया जा सकता है। इसे बैग में भी आसानी से रखा जा सकता है इससे परिवहन में सुविधा होने के साथ किसानों के समय और श्रम की बचत होती है उन्होंने अन्य किसानों से भी आधुनिक कृषि तकनीकों को समझने और वैज्ञानिक तरीके से अपनाने की अपील की उनका कहना है कि नई तकनीकों का सही तरीके से उपयोग खेती को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में मददगार साबित हो सकता है कृषि विभाग द्वारा जिले के किसानों को नैनो डीएपी सहित आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग के संबंध में लगातार जानकारी और मार्गदर्शन दिया जा रहा है किसानों को उर्वरकों के संतुलित एवं वैज्ञानिक उपयोग के लिए जागरूक किया जा रहा है, ताकि उत्पादन लागत को नियंत्रित करने के साथ फसल की गुणवत्ता और उत्पादकता में सुधार किया जा सके ग्राम फुनगा के किसान बाबालाल का नैनो डीएपी अपनाने का निर्णय ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रति बढ़ते रुझान का उदाहरण है खरीफ सीजन में इसके उपयोग के बाद फसल पर होने वाले प्रभाव और उत्पादन को लेकर किसान बाबालाल सहित आसपास के अन्य किसानों में भी उत्सुकता बनी हुई है।

ऑनलाइन आवेदन से कार्यालयों के चक्कर से मिली राहत, ग्राम चनवारीडांड के अनूप चंद सोनवानी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का जताया आभार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नागरिकों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किया गया सेवा सेतु पोर्टल आम लोगों के लिए सुविधाजनक साबित हो रहा है। एमसीबी जिले के मनेंद्रगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम चनवारीडांड निवासी अनूप चंद सोनवानी को ऑनलाइन आवेदन के महज तीन दिनों के भीतर अपनी पुत्री का आय प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया अनूप चंद सोनवानी ने अपनी पुत्री लक्ष्मी के आय प्रमाण पत्र के लिए 19 जुलाई 2026 को सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन

आवेदन किया था आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद संबंधित विभाग ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए 22 जुलाई 2026 को आय प्रमाण पत्र जारी कर दिया निर्धारित समय-सीमा में प्रमाण पत्र मिलने से अनूप चंद को अपनी पुत्री से संबंधित आवश्यक कार्य समय पर पूरा करने में सुविधा मिली हितग्राही अनूप चंद सोनवानी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि पहले आय प्रमाण पत्र जैसे आवश्यक दस्तावेज बनवाने के लिए लोगों को कई बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे। इससे समय और श्रम दोनों की खपत होती थी। सेवा सेतु पोर्टल के जरिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा मिलने से यह प्रक्रिया काफी सरल हो गई है। होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन के कारण उन्हें प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अनावश्यक भागदौड़ नहीं करनी पड़ी और निर्धारित समय में घर बैठे प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। इससे उन्हें न केवल समय की बचत हुई, बल्कि शासकीय सेवाओं की पारदर्शिता और सुविधा का भी अनुभव हुआ अनूप चंद सोनवानी ने कहा कि सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आम नागरिकों को सरकारी सेवाओं का लाभ अधिक आसानी से मिल रहा है ऑनलाइन आवेदन से कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर कम हुए हैं और निर्धारित समय-सीमा में सेवाएं मिलने से लोगों का शासन की व्यवस्थाओं के प्रति विश्वास भी मजबूत हो रहा है उन्होंने इस जनहितकारी पहल के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा सेतु पोर्टल नागरिकों के लिए शासकीय सेवाओं को अधिक सरल, सुलभ और सुविधाजनक बनाने की दिशा में उपयोगी पहल है।

रात में हेडलाइट की रोशनी में दूर से नजर आएंगे पशु, हादसों की रोकथाम के लिए अभियान रहेगा लगातार जारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राष्ट्रीय राजमार्गों पर निराश्रित और घुमंतू पशुओं के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने तथा मानव एवं पशु जीवन की सुरक्षा के लिए जिला प्रशासन ने अनूठी पहल शुरू की है। कलेक्टर के निर्देश पर पशुधन विकास विभाग द्वारा नगरीय निकाय के सहयोग से चिन्हित क्षेत्रों में विचरण करने वाले पशुओं के गले में रेडियम बेल्ट लगाए जा रहे हैं अभियान के तहत पीडब्ल्यूडी तिराहा से एलआईसी कार्यालय, खेड़िया टॉकीज से सिद्धबाबा मंदिर घाट और घुटरीटोला बैरियर तक के मार्ग पर विचरण करने वाले 19 निराश्रित एवं घुमंतू पशुओं को रेडियम बेल्ट लगाए गए। विभाग के अनुसार यह अभियान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार जारी रखा जाएगा रेडियम बेल्ट लगाने का प्रमुख उद्देश्य रात के समय राष्ट्रीय राजमार्ग पर मौजूद पशुओं को वाहन चालकों के लिए दूर से ही दृश्यमान बनाना है। वाहन की हेडलाइट पड़ने पर बेल्ट चमकेंगे, जिससे चालक को सड़क पर पशु की मौजूदगी का समय रहते पता चल सकेगा रात्रि के समय तेज गति से चलने वाले वाहनों के सामने अचानक पशु आ जाने से दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है ऐसे में रेडियम बेल्ट पशुओं की दृश्यता बढ़ाकर वाहन चालकों को सावधान होने और समय रहते गति नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं इससे मानव जीवन के साथ पशुधन की सुरक्षा भी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी प्रशासन ने पशुपालकों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने पशुओं को राष्ट्रीय राजमार्ग और प्रमुख सड़कों पर खुला न छोड़ें। पशुओं को सुरक्षित स्थान पर रखने तथा सड़क सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने का आग्रह किया गया है।

डीएमएफ की बैठक में खुलेगा विकास कार्यों का हिसाब, 30 जुलाई को होगी समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से जिले में संचालित विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों की प्रगति का पूरा हिसाब 30 जुलाई को होने वाली महत्वपूर्ण बैठक में सामने आएगा। कलेक्टर की अध्यक्षता में डीएमएफ प्रबंधकारिणी समिति की बैठक गुरुवार को सुबह 11 बजे जिला पंचायत संसाधन केंद्र (डीपीआरसी) भवन, अमृतधारा में आयोजित की जाएगी बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल होंगे। इस दौरान डीएमएफ मद से स्वीकृत विकास कार्यों की विभागवार समीक्षा की जाएगी। खासतौर पर वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में स्वीकृत कार्यों की वर्तमान स्थिति पर चर्चा होगी। प्रशासन यह देखेगा कि कितने कार्य पूरे हो चुके हैं और कितने कार्य अभी लंबित या अधूरे हैं बैठक में केवल पूर्ण हो चुके कार्यों की स्थिति की समीक्षा ही नहीं होगी, बल्कि लंबित परियोजनाओं के कारणों पर भी चर्चा की जाएगी जिन कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है, उन्हें शीघ्र पूरा कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे प्रशासन का विशेष जोर उन परियोजनाओं पर रहेगा, जिनका सीधा लाभ आम नागरिकों को मिलना है। विभागवार समीक्षा के दौरान कार्यों की प्रगति, क्रियान्वयन की स्थिति और निर्धारित समय-सीमा में काम पूरा होने की स्थिति का आकलन किया जाएगा बैठक की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश जारी किए अधिकारियों से डीएमएफ मद से स्वीकृत पूर्ण एवं अपूर्ण कार्यों की अद्यतन जानकारी हार्ड एवं सॉफ्ट कॉपी में जिला कार्यालय की डीएमएफ शाखा में उपलब्ध कराने को कहा गया है सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में निर्धारित समय और स्थान पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं डीएमएफ मद के माध्यम से जिले में आधारभूत सुविधाओं, जनकल्याण और आवश्यक अधोसंरचना से जुड़े विभिन्न कार्य संचालित किए जा रहे हैं। ऐसे में बैठक को इन योजनाओं की जमीनी स्थिति जानने और अटके हुए कार्यों को गति देने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नैतिकता, विश्वसनीयता और जनसेवा की भावना ही उत्कृष्ट पुलिस नेतृत्व की पहचान : डीजीपी

मीडिया ऑडीटर,भोपाल (निप्र)। पुलिस सेवा केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने का दायित्व नहीं, बल्कि समाज के प्रति आजीवन उत्तरदायित्व है। एक पुलिस अधिकारी की वास्तविक पहचान उसकी नैतिकता, सत्यनिष्ठा, विश्वसनीयता और जनसेवा की भावना से होती है। उच्च नैतिक मूल्यों को आत्मसात कर निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करना प्रत्येक पुलिस अधिकारी की प्राथमिक जिम्मेदारी है यह बात पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने पुलिस मुख्यालय भोपाल में सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद से मध्यप्रदेश भ्रमण पर आए प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों से संवाद के दौरान कही दल में उत्तरप्रदेश, बिहार,

नागालैंड, केरल, पश्चिम बंगाल, मेघालय, महाराष्ट्र, राजस्थान और तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों के प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी शामिल हैं।

डीजीपी ने प्रशिक्षु अधिकारियों का किया स्वागत: पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों का मध्यप्रदेश में स्वागत किया और भारतीय पुलिस सेवा में चयन के लिए उन्हें बधाई दी उन्होंने अधिकारियों के परिवारजनों को भी शुभकामनाएं दीं डीजीपी ने कहा कि पुलिस सेवा में आने के बाद अधिकारी को समाज के प्रत्येक वर्ग के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझना चाहिए उन्होंने कहा कि यदि अधिकारी ईमानदारी, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं तो सेवाकाल में उन्हें सबसे अधिक संतुष्टि जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने से मिलेगी पुलिस अधिकारी के निर्णयों का सीधा प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है, इसलिए हर निर्णय कानून, नियम और न्याय के अनुरूप होना चाहिए। डीजीपी श्री मकवाणा ने कहा कि वर्तमान समय में पुलिसिंग तेजी से तकनीक आधारित हो रही है। साइबर अपराध, डिजिटल साक्ष्य और आधुनिक तकनीकों ने पुलिसिंग के स्वरूप को बदल दिया है लेकिन इसके बावजूद मूलभूत पुलिसिंग के सिद्धांतों को कभी नहीं छोड़ा जाना चाहिए उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और पारंपरिक पुलिसिंग का संतुलित एवं सर्वोत्तम उपयोग प्रभावी कानून-व्यवस्था की कुंजी है तकनीक पुलिस की कार्यक्षमता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है,लेकिन अपराध नियंत्रण और जनता का विश्वास हासिल करने में पुलिस अधिकारी की संवेदनशीलता, विवेक और मानवीय दृष्टिकोण की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है डीजीपी ने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि जनता की शिकायतों को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुनें तथा उनके समयबद्ध समाधान का प्रयास करें उन्होंने निष्पक्ष निर्णय लेने और कानून के समान अनुपालन को पुलिस नेतृत्व का महत्वपूर्ण आधार बताया। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि अधिकारी की पहचान उसकी नैतिकता, सत्यनिष्ठा और विश्वसनीयता से होती है।

टीचर का ट्रांसफर रुकवाने पैदल निकले स्टूडेंट्स

पांच किमी चले, जनसुनवाई पहुंचने से पहले अधिकारियों ने रोका, समझाइश के बाद लौटाया

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर के खातला स्थित हायर सेकंडरी स्कूल में पदस्थ शिक्षक जगदीश धुर्वे का तबादला रुकवाने के लिए मंगलवार दोपहर बड़ी संख्या में आदिवासी बच्चे पैदल ही जन सुनवाई में जा रहे थे। प्रशासन को इसकी सूचना मिलने पर बच्चों को लगभग 5 किलोमीटर दूर ग्राम पुरा के पास रोककर समझाइश दी गई, जिसके बाद वे वापस लौट गए। दरअसल, खातला हायर सेकंडरी स्कूल में शिक्षक जगदीश धुर्वे प्रभारी प्राचार्य का कामकाज भी देखते थे। वह अटैचमेंट पर थे। उनकी मूल शाला जलांद्रा है, जो खातला से लगभग 2 किलोमीटर दूर स्थित है। राज्य शिक्षा केंद्र ने हाल ही में अटैचमेंट समाप्त कर सभी शिक्षकों को उनकी मूल शालाओं में वापस भेज दिया है। इसी आदेश के तहत धुर्वे को भी उनकी मूल शाला जलांद्रा भेजा गया था।

तबादले से नाराज थे स्टूडेंट्स: शिक्षक के तबादले के विरोध में मंगलवार को बच्चे

बुरहानपुर में आयोजित जन सुनवाई में शिकायत करने के लिए पैदल ही निकल पड़े। इस दौरान कुछ लोगों ने इसकी सूचना नेपानगर एसडीएम सृजन वास्तव और डीईओ रोहिणी पंवार को दी। तब तक बच्चे लगभग 5 किलोमीटर का सफर तय कर ग्राम पुरा तक पहुंच चुके थे।

अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर बच्चों को रोका और उन्हें समझाइश दी। शिक्षक जगदीश धुर्वे को भी बुलाया गया, जिन्होंने बच्चों को समझाया। इसके बाद बच्चे मान गए और लौट गए।

शिक्षक बोले- बच्चे खुद जन सुनवाई में जा रहे थे

शिक्षक जगदीश धुर्वे ने कहा मैं खातला हायर सेकंडरी स्कूल में 2011 से स्कूल में अटैचमेंट पर था। हाल ही में मेरा अटैचमेंट समाप्त होने पर मुझे मूल शाला जलांद्रा भेजा गया है। रिजल्ट अच्छा रहता है। बच्चों से घुल मिलकर रहते हैं इसलिए वह खुद ही जन सुनवाई में जा रहे थे तभी एसडीएम और डीईओ आ गए। उन्होंने समझाइश दी जिसके बाद बच्चे मान गए। पुरा गांव के पास से बच्चे वापस लौट आए। स्कूल में मैं संस्कृत भी पढ़ाता था और प्रभारी प्राचार्य का पद भी संभाल रहा था। अब वहां संस्कृत का शिक्षक नहीं है शायद इसलिए बच्चे मांग कर रहे थे। स्कूल में 440 बच्चे दर्ज हैं।

एसडीएम बोले- बच्चों को समझाइश दी

नेपानगर एसडीएम सृजन वास्तव ने कहा हमें सूचना मिली तो बच्चों को करीब डेढ़ किमी दूर ही पहुंचने पर रोककर समझाइश दी गई। इसके बाद बच्चे लौट गए। उन्हें बताया गया यह एक प्रक्रिया होती है। तबादले, अटैचमेंट समाप्त होना भोपाल स्तर का काम है। उन्होंने स्कूलों में पहुंचकर इसे लेकर जागरूकता अभियान भी चलाएंगे ताकि आगे ऐसा न हो।

तमिलनाडु के सीएम विजय थलापति की तस्वीर लगाकर साइबर ठगी

ठग बोला- मकान बनाने के लिए लोन देंगे, महिला से 2.13 लाख रुपए लिए

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम माखननगर रोड स्थित एक कॉलोनी में रहने वाली महिला साइबर ठगी का शिकार हो गई। ठग ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय थलापति की तस्वीर लगाकर व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल किया। खुद को लोन देने वाली फाइनेंस कंपनी का प्रतिनिधि बताकर महिला से 2.13 लाख रुपए ट्रांसफर करा लिए। मामले में जांच के बाद देहात थाना पुलिस ने मंगलवार रात दो अज्ञात मोबाइल नंबरों के उपयोगकर्ताओं के खिलाफ साइबर ठगी का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित महिला के पति चिकन का ठेला लगाते हैं। परिवार कई साल से मकान बनाने के लिए पैसे जोड़ रहा था। 24 जुलाई को महिला के पास व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को फाइनेंस कंपनी का कर्मचारी बताया और लोन देने की बात कही।

लोन प्रोसेस के नाम पर कई बार रुपए लिए: महिला ने घर बनाने के लिए 5 लाख रुपए के होम लोन की जरूरत बताई। इसके बाद ठग ने दस्तावेज और प्रोसेसिंग फीस के नाम पर पहले 6 हजार, फिर 18 हजार और 20 हजार रुपए ट्रांसफर कराए। बाद में सिक्योरिटी मनी जमा करने के नाम पर भी पैसे मांगे। महिला ने रकम जुटाने के लिए पति और रिश्तेदारों से भी करीब 50 हजार रुपए उधार लिए और ठग के बताए खाते में भेज दिए। महिला ने बताया कि जब वह शिकायत करने साइबर सेल पहुंची, तब भी ठग का फोन आ रहा था। वह 30 हजार रुपए और भेजने के लिए कह रहा था। ठग का कहना था कि पैसे मिलते ही पूरे लोन की राशि खाते में ट्रांसफर कर दी जाएगी। इसी झांसे में आकर महिला ने अपनी जमा पूंजी गंवा दी।

शहडोल में व्यापारी से 80 हजार की झपटमारी, वसूली कर अपनी बाइक से लौट रहे थे, बैग छीनकर बदमाश हुए फरार

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर एक तंबाकू व्यापारी से दिनदहाड़े 80 हजार रुपये की झपटमारी हुई है। यह घटना बुधवार को धुरवार टोल प्लाजा के पास हुई, जहां बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सोहागपुर वार्ड क्रमांक-3 निवासी तंबाकू व्यापारी अंसार अली बुढार क्षेत्र से व्यापारिक वसूली कर अपनी बाइक से घर लौट रहे थे। उन्होंने वसूली के लगभग 80 हजार रुपये एक बैग में रखे थे, जो उनके गले में टंगा हुआ था। अंसार अली जैसे ही राष्ट्रीय राजमार्ग-43 स्थित धुरवार टोल प्लाजा के पास पहुंचे, पीछे से तेज रफ्तार में आए बाइक सवार बदमाशों ने उनके गले से बैग झपट्टा मारकर छीन लिया। यह वारदात इतनी तेजी से हुई कि व्यापारी को संभलने का मौका नहीं मिला और बदमाश कुछ ही सेकंड में मौके से फरार हो गए। घटना के तुरंत बाद, पीड़ित व्यापारी ने टोल प्लाजा पर रुककर कर्मचारियों को जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने सोहागपुर थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ झपटमारी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब धुरवार टोल प्लाजा और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। इसका उद्देश्य आरोपियों की पहचान कर उनकी जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करना है। पुलिस वारदात के समय क्षेत्र से गुजरने वाले संदिग्ध वाहनों की भी जानकारी जुटा रही है।

सागर में हत्या के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

चाकू से हमला कर फरार हुआ था आरोपी, पुलिस ने दबोचा, वारदात में इस्तेमाल हथियार भी बरामद

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले के गढ़ाकोटा थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास के मामले में पुलिस ने फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद किया गया है। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पुरानी रंजिश के चलते युवक पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था।

पुरानी रंजिश में किया था चाकू से हमला: गढ़ाकोटा थाना पुलिस के अनुसार, विवेकानंद वार्ड निवासी 35 वर्षीय हल्ले पिता मुन्नालाल पटेल ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि पुरानी रंजिश के चलते भरत पटेल ने जान से मारने की नीयत से उसके पेट में चाकू से हमला कर दिया। हमले में हल्ले गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के

बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

वारदात के बाद आरोपी हो गया था फरार: घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। उसकी गिरफ्तारी के लिए गढ़ाकोटा थाना पुलिस ने विशेष टीम गठित की और संभावित ठिकानों पर लगातार तलाश शुरू की। आरोपी तक पहुंचने के लिए मुखबिर तंत्र भी सक्रिय किया गया।

मुखबिर की सूचना पर गांव के पास दबिश: मंगलवार को पुलिस को मुखबिर से आरोपी के गांव के पास मौजूद होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल दबिश देकर आरोपी भरत पिता नन्हेभाई पटेल (25) निवासी ग्राम मढ़िया खुर्द को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को थाने लाकर पूछताछ की गई।

आरोपी की निशानदेही पर चाकू बरामद: पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपी ने वारदात में इस्तेमाल किए गए चाकू के बारे में जानकारी दी। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया। बरामद चाकू को पुलिस ने जब्त कर मामले में साक्ष्य के रूप में शामिल किया है।

कोर्ट ने भेजा जेल: गढ़ाकोटा थाना प्रभारी गौरव सिंह तिवारी ने बताया कि हत्या के प्रयास के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

सागर में बाइक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, युवक की मौत, ससुराल से तेहरवीं के कार्यक्रम से लौट रहा था

सागरमीडिया ऑडीटर, (निप्र)। सागर के रहली थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। घटना कड़ता जंगल में पुलिया के पास मंगलवार रात की बताई जा रही है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, नारायणपुर निवासी 30 वर्षीय लखन गौड़ अपनी ससुराल ग्राम बलेह में तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने बाइक से गया था। कार्यक्रम के बाद वह रात करीब 10 बजे घर लौट रहा था। इसी दौरान कड़ता पुलिया के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में लखन गौड़ की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। इसके बाद परिजनों को घटना की जानकारी दी गई।

शरीर पर मिले गंभीर चोट के निशान: रहली अस्पताल के ड्यूटी डॉक्टर संदीप असाटी ने बताया कि डायल-112 एक व्यक्ति को मृत अवस्था में अस्पताल लेकर आई थी। उसकी पहचान लखन पिता मुरली गौड़, निवासी नारायणपुर के रूप में हुई। मृतक के शरीर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं।

रतलाम पुलिस ने पकड़ा 14 लाख का 290 किलो डोडाचूरा

बिना नंबर के ट्रैक्टर ट्रॉली से लेकर जा रहे थे, गश्त के दौरान पुलिस ने रोका तो छोड़ कर भाग गए

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम जिले की बड़ावदा थाना पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान एक संदिग्ध ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोकने की कोशिश की। पुलिस को देखते ही चालक ने ट्रैक्टर भगा दिया। पुलिस ने पीछा किया तो चालक और उसका साथी बिना नंबर की ट्रैक्टर-ट्रॉली छोड़कर भाग गए। पुलिस ने पास जाकर देखा तो ट्रॉली में सफेद बोरों में अवैध रूप से डोडा चूरा भरा मिला।

जावरा एसडीओपी संदीप कुमार ने बताया कि बड़ावदा थाना पुलिस की टीम द्वारा रात्रि गश्त की जा रही थी। इस दौरान पुलिस टीम को एक बिना नंबर की ट्रैक्टर-ट्रॉली संदिग्ध अवस्था में दिखाई दी।

पुलिस ने वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन ट्रैक्टर चालक वाहन लेकर भागने लगा। पुलिस टीम द्वारा पीछा किए जाने पर चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली को ग्राम सिंदुरकिया स्थित शासकीय मिडिल स्कूल के पास खाली मैदान में छोड़कर अपने एक अन्य साथी के साथ झाड़ियों में अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गया।

प्लास्टिक के बोरे में मिला डोडा चूरा: पुलिस टीम ने मौके पर छोड़ी गई ट्रैक्टर-ट्रॉली की तलाशी ली। तलाशी के दौरान ट्रॉली में रखे 13 प्लास्टिक के कट्टों में अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा मिला। पुलिस ने तौल कराया तो कुल 290 किलोग्राम वजन निकला, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 14 लाख 50 हजार रुपये है। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ एवं ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

फरार आरोपियों की तलाश जारी: पुलिस कार्रवाई के दौरान मौके से फरार हुए दो आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। उनकी तलाश में पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

नर्मदापुरम से भोपाल जाने वाले रास्ता पुलिस ने किया बंद

बैरिकेडिंग कर डंपर-जेसीबी से रास्ते रोके, किसान आंदोलन को लेकर प्रशासन अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में मूंग की शत-प्रतिशत खरीदी और एमएसपी पर खरीद की मांग को लेकर भोपाल पहुंची किसान क्रांति पैदल यात्रा के बीच प्रशासन अलर्ट हो गया है। बुधवार को किसानों के सीएम हाउस घेराव की तैयारी को देखते हुए नर्मदापुरम, हरदा और आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में किसानों के भोपाल पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए मंगलवार रात से ही भोपाल जाने वाले प्रमुख मार्गों पर पुलिस बल तैनात कर बैरिकेडिंग कर दी गई है। भोपाल की ओर जाने वाले रास्तों पर वाहनों की जांच की जा रही है। पुलिस यात्रा का कारण, वाहन नंबर और यात्रियों का नाम रजिस्टर में दर्ज करने के बाद ही वाहनों को आगे जाने दे रही है।

रास्ता रोकने के लिए सड़क पर जेसीबी डंपर खड़े किए: नर्मदापुरम में बुधनी रोड पर नर्मदा ब्रिज से पहले बैरिकेडिंग की गई है। बीच सड़क पर डंपर और जेसीबी भी खड़े किए गए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर रास्ता रोका जा सके।

मंगलवार रात से ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर तैनात हैं। एएसपी अभिषेक राजन, एसडीएम देवेंद्र प्रताप सिंह, एसडीओपी जितेंद्र पाठक, आरआई विनय अटलक, ट्रैफिक इंस्पेक्टर सुनीता पटेल, देहात थाना प्रभारी ऊषा मरावी, तहसीलदार अंकित मौर्य सहित पुलिस और प्रशासन के अधिकारी अलग-अलग स्थानों पर निगरानी कर रहे हैं। एसपी साई कृष्णा एस. थोटा ने बताया कि भोपाल में चल रहे किसान आंदोलन में और किसानों के शामिल होने की सूचना है। इसी को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है और किसानों को भोपाल जाने से रोका जाएगा।

27 जुलाई को नर्मदापुरम से निकली थी किसान यात्रा: भोपाल में आंदोलन कर रहे किसान 27 जुलाई को नर्मदापुरम से पैदल यात्रा पर निकले थे। सोमवार को भारी पुलिस बल और बैरिकेडिंग के बावजूद किसान आगे बढ़ते गए। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले 19 किसान संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता इस यात्रा में शामिल होकर भोपाल पहुंचे हैं।

0000000000000000

मंदसौर में लगातार चौथे दिन बारिश नहीं

अगले चार दिन हल्की से तेज वर्षा के आसार, खरीफ फसलों को मिलेगा फायदा

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में पिछले चार दिनों से बारिश नहीं हुई है, जिससे मानसून की गति धीमी पड़ गई है। हालांकि, जिले में अब तक कुल 13.40 इंच वर्षा दर्ज की जा चुकी है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले चार दिनों में मानसून के फिर से सक्रिय होने की संभावना है। शनिवार से मंगलवार शाम तक बादल छाए रहे, लेकिन जिला मुख्यालय सहित अधिकांश क्षेत्रों में अच्छी बारिश नहीं हुई। पिछले 48 घंटों में जिले के किसी भी हिस्से में वर्षा दर्ज नहीं की गई है। जिला मुख्यालय के अलावा सीतामऊ, नाहरगढ़, भानपुरा, गरोठ, सुवासरा, शामगढ़, दलौदा, मल्हारगढ़, पिपलिया मंडी, नारायणगढ़, डिगांव, बरखेड़ा और अफजलपुर जैसे अधिकांश इलाकों में भी बारिश का

इंतजार बना रहा।

पिछली बारिश से किसान उत्साहित: लगातार बारिश थमने के बावजूद, तापमान में गिरावट आने से मौसम खुशनुमा बना हुआ है। इससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली है।

हाल के दिनों में हुई अच्छी बारिश से किसान उत्साहित हैं। उनका कहना है कि सोयाबीन, मक्का और उड़द सहित अन्य खरीफ फसलों को पर्याप्त नमी मिल चुकी है, जिससे उनकी बढ़वार बेहतर होने की उम्मीद है। खेतों में नमी बने रहने से फसल उत्पादन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने आगामी चार दिनों के लिए मानसून के फिर से सक्रिय होने का अनुमान जताया है। इस दौरान बादलों की आवाजाही बनी रहेगी और कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। कुछ क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ तेज बौछारें पड़ने की भी संभावना है।

29 जुलाई: दिनभर बादल छाए रहने के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना। अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25.1 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान।

30 जुलाई: रुक-रुककर बारिश का दौर जारी रह सकता है। कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ तेज बारिश की संभावना। अधिकतम 31.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 24.8 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान।

31 जुलाई: बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक की संभावना, तापमान में हल्की गिरावट आ सकती है।

1 अगस्त: जिले में मानसून सक्रिय रहने के आसार हैं। कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है, जिससे खरीफ फसलों को लाभ मिलेगा।

मौसम विभाग ने लोगों से अपील की कि गरज-चमक के दौरान खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचें तथा मौसम संबंधी सावधानियों का पालन करें।

हरदा से भोपाल जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग, सीमाओं पर पुलिस बल तैनात, यात्रियों की हो रही जांच

मीडिया ऑडीटर, हरदा (निप्र)। हरदा शत-प्रतिशत मूंग खरीदी की मांग को लेकर किसान राजधानी भोपाल में आंदोलन कर रहे हैं। हरदा जिले के विभिन्न किसान संगठनों से जुड़े किसान भी पिछले दो दिनों से आंदोलन में शामिल होने के लिए भोपाल पहुंच रहे हैं। किसानों की बढ़ती संख्या को देखते हुए जिला प्रशासन ने जिले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आंदोलनकारियों को भोपाल पहुंचने से रोकने के लिए जिले से भोपाल जाने वाले प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग की गई है। इन स्थानों पर भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया है। प्रशासन का उद्देश्य आंदोलनकारियों को इन रास्तों से भोपाल जाने से रोकना है।

वाहनों और यात्रियों की हो रही जांच: जिले के छीपानेर और छिदगांव मेल में पुलिस भोपाल की ओर जाने वाले वाहनों की जांच कर रही है। वाहनों में बैठे लोगों की जानकारी भी जुटाई जा रही है।

एम्बाप्पे ने नस्लीय टिप्पणी पर पराग्वे के सांसद को फटकारा

पराग्वे सरकार ने सीनेटर की 'घृणित' टिप्पणी को किया खारिज

नई दिल्ली एजेंसी। फ्रांस के स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे और फ्रेंच फुटबॉल महासंघ (एफएफएफ) ने पराग्वे की सीनेटर सेलेस्टे अमारिला द्वारा की गई नस्लीय टिप्पणी की कड़ी निंदा की है। दोनों ने अमारिला को 'घृणित' और 'सार्वजनिक पद के अयोग्य' बताया। यह विवाद फ्रांस और पराग्वे के बीच खेले गए फीफा विश्व कप के प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबले के बाद एम्बाप्पे की मूल उत्पत्ति का मजाक उड़ाते हुए की गई उनकी 'आपत्तिजनक और घृणित' नस्लीय टिप्पणी के कारण सामने आया। पराग्वे की लिबरल रेडिकल पार्टी की सीनेटर सेलेस्टे अमारिला ने विश्व कप के प्री-क्वार्टरफाइनल में फ्रांस से अपनी टीम की हार के बाद सोशल मीडिया मंच एक्स पर यह विवादित टिप्पणी की थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए किलियन एम्बाप्पे ने कहा, 'आप एक घृणित महिला हैं और अपने पद के योग्य नहीं हैं। आप पराग्वे का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं, उस देश का जिसने पूरे टूर्नामेंट में जुनून और सम्मान के साथ खेला।' उन्होंने आगे कहा, 'आपकी गैर-जिम्मेदाराना हरकत और खुलेआम किए गए नस्लवाद के कारण पूरी दुनिया अब उस ऐतिहासिक सफर और शानदार प्रदर्शन को भूल चुकी है, जो पराग्वे के खिलाड़ियों ने इस विश्व कप में किया। उसकी जगह अब एक अयोग्य महिला की छवि सामने है, जो अपने देश की सबसे खराब तस्वीर पेश कर रही है।' एम्बाप्पे ने कहा, 'मैं कभी भी ऐसे लोगों को दुनिया भर में नफरत और नस्लवाद फैलाने की आजादी नहीं दूंगा।' फ्रेंच फुटबॉल महासंघ (एफएफएफ) ने भी पराग्वे की सीनेटर सेलेस्टे अमारिला की नस्लीय टिप्पणियों की कड़ी निंदा करते हुए उन्हें 'पूरी तरह घृणित और अस्वीकार्य' बताया। एफएफएफ ने अपने बयान में कहा, 'कोई इस तरह की बातें कैसे कर सकता है ये टिप्पणियां आपराधिक और निंदनीय हैं। इन पर यहां और अन्य जगहों पर भी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। एफएफएफ न्यायिक कार्रवाई के उद्देश्य से अभियोजक कार्यालय में शिकायत दर्ज करा रहा है। फ्रांस की राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी फ्रांस का प्रतिनिधित्व करते हैं और यह हमारे देश का अपमान है।' हालांकि, पराग्वे सरकार ने भी सीनेटर सेलेस्टे अमारिला की विवादित टिप्पणियों से खुद को अलग करते हुए उन्हें शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और मानवीय गरिमा के सिद्धांतों के विरुद्ध बताया।

45 साल के हुए महेंद्र सिंह धोनी

फैंस ने रांची में उनके घर के बाहर मनाया जन्मदिन

रांची (झारखंड)एजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के फैंस उनका 45वां जन्मदिन मनाने के लिए रांची में उनके घर के पास जमा हुए। वे पोस्टर लेकर आए, केक काटा और इस दिग्गज क्रिकेटर के लिए अपना प्यार और सम्मान जाहिर किया। इस खास मौके पर धोनी के घर के पास समर्थक जमा हुए। कई फैंस ने भारतीय क्रिकेट में उनके शानदार योगदान का जश्न मनाया और उम्मीद जताई कि संन्यास लेने से पहले वे उन्हें अपने घरेलू मैदान पर खेलते हुए देख पाएंगे। एक फैन ने बताया, 'जब भी हम उन्हें देखते हैं, वे हमेशा फिट दिखते हैं। हम चाहते हैं कि वे ऐसे ही रहें और हमें प्रेरित करते रहें। हम उनसे गुजारिश करते हैं कि अपने आखिरी मैच से पहले रांची में कम से कम एक मैच खेलें ताकि उनके फैंस की यह इच्छा पूरी हो सके।' धोनी का सफर खेल के इतिहास में सबसे प्रेरणादायक सफरों में से एक है। रेलवे स्टेशन पर टिकट कलेक्टर के तौर पर काम करने से लेकर भारत के सबसे बड़े ट्रॉफी विजेता बनने तक, उन्होंने टीम को कप्तान के तौर पर ICC टी20 वर्ल्ड कप 2007, ICC क्रिकेट वर्ल्ड कप 2011 और ICC चैंपियंस ट्रॉफी 2013 जिताई। उन्होंने 2004 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया और जबरदस्त हिटिंग के लिए अपनी पहचान बनाई, लेकिन समय के साथ वे एक ऐसे 'फिनिशर' बन गए जो अपनी सोची-समझी आक्रामकता और बेहतरीन रणनीति से टीम को जीत दिलाते थे। भारत के लिए सभी फॉर्मेट में 17,266 इंटरनेशनल रन, 829 डिसमिसल और 538 मैच खेलने वाले धोनी न सिर्फ खेल के सबसे महान क्रिकेटरों में से एक हैं, बल्कि एक ऐसे क्रांतिकारी भी हैं जिन्होंने विकेटकीपर-बल्लेबाज की भूमिका को नए सिरे से परिभाषित किया और लिमिटेड-ओवर्स क्रिकेट के प्रति भारत के नज़रिए को बदल दिया।धोनी ने 350 वनडे इंटरनेशनल (ODI) मैचों में 50.57 के शानदार औसत से 10,773 रन बनाए, जिसमें 10 शतक और 73 अर्धशतक शामिल हैं। उनका करियर का बेस्ट स्कोर नाबाद 183 रन रहा। वे वनडे में भारत के लिए छठे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जबकि सचिन तेंदुलकर 18,426 रनों के साथ इस लिस्ट में सबसे ऊपर हैं। धोनी का रिकॉर्ड इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने ज़्यादातर मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करते हुए 10,000 से ज्यादा वनडे रन बनाए। अ

क्सर दबाव में और कम ओवर बचे होने पर क्रीज पर आने के बावजूद उन्होंने 50 से ज़्यादा का औसत बनाए रखा। उन्होंने 200 वनडे मैचों में भारत की कप्तानी की जिसमें 110 जीते और 74 हारे तथा 5 मैच टाई रहे, जबकि 11 का कोई नतीजा नहीं निकला। उनकी जीत का प्रतिशत 55 रहा। धोनी ने 98 T20 इंटरनेशनल मैचों में 37.60 के औसत और 126.13 के स्ट्राइक रेट से 1,617 रन बनाए। उन्होंने 2 अर्धशतक लगाए और उनका सबसे ज्यादा स्कोर 56 रहा। भले ही उनके बैटिंग के आंकड़े शानदार हैं, लेकिन उनकी कप्तानी ने ही असल में उनकी T20। पहचान बनाई।

अफगानिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शापूर जादरान का निधन

एसीबी ने जताया दुख

अफगानिस्तान । अफगानिस्तान क्रिकेट को बड़ा झटका लगा है। टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शापूर जादरान का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। दिल्ली के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था, लेकिन वह जिंदगी की जंग हार गए। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ACB) ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए उन्हें देश के क्रिकेट की नींव रखने वाले खिलाड़ियों में से एक बताया।

ACB ने जताया शोक

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश जारी करते हुए शापूर जादरान को श्रद्धांजलि दी। बोर्ड ने कहा कि उन्होंने पूरे करियर में अफगानिस्तान क्रिकेट की ईमानदारी, साहस और गर्व के साथ सेवा की। उनके योगदान और उपलब्धियों को हमेशा याद रखा जाएगा और राष्ट्रीय टीम के लिए उनकी सेवाएं कभी नहीं भुलाई जाएंगी।

अफगानिस्तान क्रिकेट के शुरुआती सितारों में थे शापूर

शापूर जादरान को अफगानिस्तान क्रिकेट के उन खिलाड़ियों में गिना जाता है जिन्होंने देश में क्रिकेट को नई पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को क्रिकेट अपनाने के लिए प्रेरित किया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अफगानिस्तान की

पहचान मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

ऐसा रहा अंतरराष्ट्रीय करियर

शापूर जादरान ने 2009 में नीदरलैंड्स के खिलाफ वनडे क्रिकेट में डेब्यू किया था, जो अफगानिस्तान के शुरुआती अंतरराष्ट्रीय दौर का हिस्सा था। उन्होंने 2010 में आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया। उनका आखिरी वनडे मार्च 2019 और आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला मार्च 2020 में रहा।

उन्होंने अफगानिस्तान के लिए 44 वनडे और 36 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। वनडे में उनके नाम 43 विकेट दर्ज हैं।

विराट के लिए दिल में बहुत सम्मान

जल्द भारत आना चाहता हूं : नोवाक जोकोविच

नई दिल्ली एजेंसी । मौजूदा समय में क्रिकेट और टेनिस दुनिया की सर्वाधिक खेलों में शुमार है। क्रिकेट के दिग्गज विराट कोहली और टेनिस के दिग्गज सर्बिया के नोवाक जोकोविच अच्छे दोस्त हैं। फिलहाल विंबलडन में हिस्सा ले रहे जोकोविच जल्द भारत आने और विराट कोहली के साथ क्रिकेट खेलने की बात कही है। जोकोविच ने जियोस्टार पर कहा, 'मैं विराट कोहली के साथ कुछ क्रिकेट और टेनिस खेलना पसंद करूंगा। मैं जल्द ही इंडिया आने की योजना बना रहा हूं। हम इस बारे में बात कर रहे हैं। मुझे पता है कि विराट एक वैश्विक स्टार हैं, लेकिन खासकर भारत में, वह कमाल के हैं। मैं चाहूंगा कि वह मेरे मेजबान बनें और मुझे घुमाएं। मेरे मन में उनके और भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत सम्मान है।' उन्होंने कहा, 'मैं सर्बिया से आता हूं, जहां क्रिकेट बड़ा खेल नहीं है। लेकिन मेरी टीम में कुछ लोग ब्रिटिश हैं, और उन्हें क्रिकेट पसंद है। इसलिए मैं पिछले 10 से 15 वर्षों से इस गेम के बारे में सीख रहा हूं। मुझे अभी भी अपनी क्रिकेट स्किल्स पर काम करने की जरूरत है। शायद विराट मेरी तकनीक और बैट स्विंग में मदद कर सकें। मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान और प्रशंसा है। मुझे उनके देश भारत में उनसे मिलकर अच्छा लगेगा।' जोकोविच ने रविवार को खेले गए चौथे राउंड के मुकाबले में रोमन सफीउलिन को 7-6(6), 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर, न सिर्फ अगले राउंड में जगह बनाई ।

बेल्जियम और स्पेन क्वार्टर फाइनल में

अमेरिका बाहर, रोनाल्डो का विश्व कप सपना टूटा

नई दिल्ली एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप के प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में बड़ा उलटफेर और भावुक कर देने वाले दृश्य देखने को मिले हैं। एक तरफ जहां बेल्जियम ने एकतरफा मुकाबले में अमेरिका को हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया, वहीं दूसरी तरफ स्पेन ने पुर्तगाल को शिकस्त देकर फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में शुमार क्रिस्टियानो रोनाल्डो का विश्व कप ट्रॉफी जीतने का सपना हमेशा के लिए तोड़ दिया। बेल्जियम ने अमेरिका को 4-1 से रौंदा, बालोगुन का 'रेड कार्ड विवाद' रहा चर्चा में प्री-क्वार्टर फाइनल के एक बेहद रोमांचक मुकाबले में बेल्जियम ने अमेरिकी रक्षापंक्ति की कमियों का फायदा उठाते हुए 4-1 से धमाकेदार जीत दर्ज की।

मैच का हाल:

बेल्जियम के स्टार खिलाड़ी चार्ल्स डी केटेलारे ने शुरुआती दो गोल दागकर टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया। इसके बाद अमेरिकी डिफेंडर्स की बड़ी गलती का फायदा उठाते हुए हांस वानाकेन ने टीम के लिए तीसरा गोल किया। मैच के आखिरी पलों में रोमेलू लुकाकू ने चौथा गोल दागकर अमेरिका की विदाई तय कर दी। अमेरिका की ओर से एकमात्र गोल पहले हाफ में मलिक टिलमैन ने किया।

ट्रम्प के हस्तक्षेप से हुआ विवाद: यह मैच अमेरिकी स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन को लेकर उपजे विवाद के कारण काफी चर्चा में रहा। 25 वर्षीय बालोगुन को पिछले मैच में बोस्निया-हर्जेगोविना के डिफेंडर पर फाउल करने के कारण सीधे 'रेड कार्ड' दिखाया गया था, जिसके चलते उन पर एक मैच का प्रतिबंध था। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दखल और फीफा से समीक्षा की अपील के बाद फीफा ने इस बैन को 12 महीने के लिए निलंबित कर दिया, जिससे बालोगुन इस मैच में खेल सके। फीफा के इस फैसले की यूईएफए, बेल्जियम और इंग्लैंड के फुटबॉल संघों ने कड़ी आलोचना की।

स्पेन से हारकर पुर्तगाल बाहर, रोते हुए मैदान से निकले 41 वर्षीय क्रिस्टियानो रोनाल्डो डलास स्टेडियम में खेले गए एक अन्य हाई-वोल्टेज प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में स्पेन ने पुर्तगाल को 1-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इस हार के साथ ही फुटबॉल के दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो का वर्ल्ड कप सफर आंसुओं के साथ समाप्त हो गया।

इंजरी टाइम का ड्रामा:

पूरे मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। मैच के 91वें मिनट (इंजरी टाइम) में स्पेन के सब्स्टिट्यूट खिलाड़ी मिकेल मेरिनो ने फेरन टोरेस से मिले पास को पुर्तगाली गोलकीपर डिएगो कोस्टा को छकाते हुए गोल पोस्ट में डाल दिया।

29 रन बनाते ही धोनी-रैना को पीछे छोड़ देंगे अभिषेक शर्मा

नई दिल्ली एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के पास बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने का सुनहरा मौका होगा। अगर वह 29 रन बना लेते हैं तो भारत के दो दिग्गज बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी और सुरेश रैना को पीछे छोड़ते हुए भारत के सातवें सबसे ज्यादा टी20ढ्ढ रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे।

रिकॉर्ड पर अभिषेक शर्मा की नजर शानदार फॉर्म में चल रहे अभिषेक शर्मा ने मौजूदा इंग्लैंड दौरे पर आयरलैंड के खिलाफ गोल्डन डक को छोड़कर लगातार प्रभावशाली बल्लेबाजी की है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में उन्होंने 59 और दूसरे टी20 में 43 रन की अहम पारी खेली। अब ट्रेंट ब्रिज में खेले जाने वाले तीसरे मुकाबले में उनके पास भारत के ऑलटाइम टी20ढ्ढ रन स्कोरर्स की सूची में बड़ी छलांग लगाने का मौका है। धोनी और रैना का रिकॉर्ड तोड़ने से कितने रन दूर अभिषेक ने अब तक 49 पारियों में 1,589 रन बनाए हैं। उनके नाम दो शतक और 11 अर्धशतक दर्ज हैं। भारत के लिए टी20ढ्ढ में सुरेश रैना ने

1,605 रन बनाए हैं, जबकि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम 1,617 रन हैं। अभिषेक को रैना से आगे निकलने के लिए 17 रन और धोनी को पीछे छोड़ने के लिए 29 रन की जरूरत है। हालांकि छठे स्थान पर मौजूद शिखर धवन (1,759 रन) तक पहुंचने के लिए उन्हें अभी लंबा सफर तय करना होगा। भारत के लिए टी20ढ्ढ में सबसे ज्यादा रन रोहित शर्मा (4,231) के नाम हैं। उनके बाद विराट कोहली (4,188), सूर्यकुमार यादव (3,272), हार्दिक पंड्या (2,288) और केएल राहुल (2,265) का स्थान है। मौजूदा भारतीय टीम में सबसे आगे अभिषेक इंग्लैंड दौरे पर मौजूद भारतीय टी20 टीम में अभिषेक शर्मा सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके बाद तिलक वर्मा (1,501), संजू सैमसन (1,405), ईशान किशन (1,390) और कप्तान श्रेयस अय्यर (1,222) का नंबर आता है।शिवम दुबे के पास भी रिकॉर्ड बनाने का मौका तीसरे टी20 में शिवम दुबे के पास भी खास उपलब्धि हासिल करने का मौका होगा। दूसरे टी20 में उन्होंने गेंदबाजी नहीं की थी, लेकिन अगर ट्रेंट ब्रिज में उन्हें गेंदबाजी का मौका मिलता है और वह एक विकेट हासिल कर लेते हैं तो भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा को टी20ढ्ढ विकेटों की सूची में पीछे छोड़ देंगे। दुबे ने हाल ही में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों में तीन विकेट लिए थे और अब इंग्लैंड में पहली बार गेंदबाजी करते हुए नया रिकॉर्ड बना सकते ।

मेरे नाम पर भ्रामक बयान फैलाए जा रहे

भारतीय टीम को मेरा पूर्ण समर्थन: सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय टी20 टीम के पूर्व कप्तान और अपनी कप्तानी में टीम इंडिया को टी20 विश्व कप 2026 में चैंपियन बनाने वाले सूर्यकुमार यादव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए भारतीय टीम को शुभकामना दी है, साथ ही किसी भी बयान से इनकार किया है, जिसे उनका दिया बताकर प्रचारित किया जा रहा है। सूर्यकुमार यादव ने एक्स पर लिखा, 'मैं टीम के लिए बहुत खुश हूं और हमेशा उनके लिए अच्छे की दुआ करता हूं। मुझे पता है कि लड़के अपना सब कुछ दे रहे हैं, और उन्हें हमेशा मेरा पूरा समर्थन रहेगा। वैभव के लिए एक खास बात–तुम एक बहुत ही रोमांचक सफर की शुरुआत में हो। हर पल का आनंद लो और देश को गर्व महसूस कराते रहो।'

उन्होंने आगे लिखा, 'मैंने यह भी देखा है कि ऑनलाइन एक बयान फैलाया जा रहा है, जो गलत तरीके से मेरे नाम से बताया जा रहा है। मैं यह साफ करना चाहता हूं कि मैंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है और न ही उसे मंजूरी दी है। कृपया बिना जांची-परखी जानकारी पर विश्वास न करें और उसे साझा न करें।' पूर्व कप्तान ने लिखा, 'भारतीय क्रिकेट, मेरे साथी और खेल के लिए मेरा सहयोग हमेशा उन शब्दों से ज्यादा

जोरदार रहेगा जो गलत तरीके से मेरे नाम से बताए गए हैं।' पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव के नाम पर हाल ही में सोशल मीडिया पर कुछ बयान भ्रामक तरीके से फैलाए गए हैं, जिनमें वे अपनी टी20 की कप्तानी जाने और वैभव सूर्यवंशी पर बोलते हुए दिख रहे हैं।

गुरु पूर्णिमा पर सांदीपनि विद्यालय मैहर में भव्य आयोजन, प्रभारी मंत्री राधा सिंह ने विद्यार्थियों का बढ़ाया उत्साह

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों और शत-प्रतिशत रिजल्ट देने वाले शिक्षकों का सम्मान, विद्यालय को 500 कुर्सियां और दो वाटर कूलर देने का आश्वासन

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर शासकीय सांदीपनि विद्यालय मैहर में भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन की पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री तथा मैहर जिले की प्रभारी मंत्री राधा सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके बाद विद्यार्थियों ने गुरु वंदना एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा का सुंदर चित्रण किया। कार्यक्रम में मैहर विधायक कांत चतुर्वेदी, जिला पंचायत सदस्य जयंती महेश तिवारी, कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी, पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह, एसडीएम मैहर दिव्या पटेल, जिला शिक्षा अधिकारी सलोनी शर्मा, सीएसपी महेंद्र सिंह, शशी मिश्रा, विकास तिवारी, विद्यालय के प्राचार्य दिनेश पुरी गोस्वामी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और विद्यालय का शैक्षणिक स्टाफ मौजूद रहा।

गुरु अज्ञान का अंधकार दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं: प्रभारी मंत्री राधा सिंह ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोपरि है गुरु वह शक्ति हैं, जो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं एक सशक्त समाज और राष्ट्र के निर्माण में गुरु की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है उन्होंने विद्यार्थियों से अपने माता-पिता और शिक्षकों का सम्मान करने, अनुशासित जीवन अपनाने और निरंतर मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है। जीवन मूल्यों, नैतिकता और व्यवहारिक ज्ञान को आत्मसात करना भी उतना ही आवश्यक है प्रभारी मंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि वे गुरुओं से प्राप्त ज्ञान को अपने जीवन में उतारें और आगे चलकर समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनें उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि मेहनत, अनुशासन और सही दिशा में प्रयास से जीवन में सफलता हासिल की जा सकती है। मैहर विधायक कांत चतुर्वेदी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि अपने गुरुओं के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर गुरु ही व्यक्ति को अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाते हैं उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर पूरे प्रदेश के सांदीपनि विद्यालयों में गुरु पूर्णिमा को उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है यह आयोजन भारतीय गुरुकुल की गौरवशाली परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास है विधायक ने विद्यालय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अपनी विधायक निधि से 500 कुर्सियां और 50-50 लीटर क्षमता वाले दो वाटर कूलर उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना सभी की जिम्मेदारी है। कलेक्टर मैहर बिदिशा मुखर्जी ने विद्यार्थियों को गुरु-शिष्य परंपरा और माता-पिता के सम्मान का महत्व उन्होंने कहा कि ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार व्यक्ति जीवन में गुरु को प्रबल करने के लिए पुखराज धारण करने में विश्वास रखता है, लेकिन गुरु और शिष्य की परंपरा का पालन करने, माता-पिता का सम्मान करने तथा उनकी आज्ञा का पालन करने वाले व्यक्ति को किसी रत्न या पुखराज की आवश्यकता नहीं है।

महापौर योगेश ताम्रकार ने शहीद पद्मधर सिंह पुस्तकालय का किया निरीक्षण, विद्यार्थियों से संवाद कर बढ़ाया उत्साह

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। महापौर योगेश ताम्रकार ने शहीद पद्मधर सिंह पुस्तकालय 'पुष्कर्णी पार्क' का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने पुस्तकालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं से आत्मीय संवाद कर उनकी पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों और पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली महापौर ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी आवश्यकताओं को भी जाना महापौर ने कहा कि पुस्तकालय केवल पुस्तकों का संग्रह नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का महत्वपूर्ण केंद्र है। विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराना जरूरी है ताकि वे एकाग्रता के साथ अपनी तैयारी कर सकें और निर्धारित लक्ष्य हासिल कर सकें। उन्होंने कहा कि शहर के प्रत्येक विद्यार्थी को अध्ययन के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए सुविधाजनक और सकारात्मक वातावरण उनकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है महापौर ने कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हर संभव प्रयास करना प्राथमिकता उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति निरंतर मेहनत करने का आह्वान किया निरीक्षण के दौरान पुस्तकालय की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए महापौर ने विद्यार्थियों की सुविधा से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए आवश्यक सुधारों पर ध्यान दिया जाएगा।

नए बस स्टैंड से संचालन नहीं, मुख्य मार्ग पर बढ़ रहा यातायात दबाव; जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर में विकास के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च कर बनाई गईं दो महत्वपूर्ण इमारतें अब अपने उद्देश्य से भटकी नजर आ रही हैं एक ओर पुराने बस स्टैंड परिसर में बना नगर निगम कॉम्प्लेक्स उपयोग के अभाव में सूना पड़ा है, वहीं दूसरी ओर करोड़ों की लागत से तैयार नया इंटर स्टेट बस टर्मिनल (ISBT) बस संचालन के इंतजार में नजर आ रहा है दोनों परियोजनाओं की मौजूदा स्थिति शहर की विकास व्यवस्था और प्रशासनिक निगरानी पर सवाल खड़े कर रही है नगर निगम कॉम्प्लेक्स में पसरा सन्नाटा

पुराने बस स्टैंड परिसर में बनाए गए नगर निगम कॉम्प्लेक्स को शहर के विकास और व्यवस्थित व्यावसायिक गतिविधियों के लिहाज से तैयार किया गया था स्थानीय लोगों का कहना है कि भवन का अपेक्षित उपयोग नहीं हो पा रहा है कई हिस्सों में सन्नाटा पसरा रहता है और परिसर के

आसपास गंदगी व पानी जमा होने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं लोगों का सवाल है कि यदि लाखों रुपए खर्च करने के बाद भी भवन का उपयोग सुनिश्चित नहीं हो सका तो इसके निर्माण का उद्देश्य कैसे पूरा होगा शहर के दूसरे हिस्से में करोड़ों की लागत से नया बस स्टैंड यानी ISBT तैयार किया गया उम्मीद थी कि यहां से बसों का नियमित संचालन शुरू होने के बाद शहर के प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव कम होगा लेकिन स्थानीय लोगों के मुताबिक, नए बस स्टैंड से पर्याप्त बस संचालन नहीं होने के कारण पुरानी व्यवस्था ही प्रभावी बनी हुई है इसके चलते सतना रेलवे स्टेशन की ओर से आने-जाने वाली बसों का दबाव सर्किट हाउस से जय स्तंभ चौक की ओर जाने वाले प्रमुख मार्ग पर बना रहता है यह शहर के व्यस्ततम रास्तों में शामिल है, जहां अस्पताल, बाजार, विद्यालय और रेलवे स्टेशन जैसे महत्वपूर्ण स्थान स्थित हैं।

मुख्य मार्ग पर बढ़ रहा यातायात दबाव: एक ही मार्ग पर सिटी बसों और अन्य यात्री वाहनों की आवाजाही से कई बार यातायात बाधित होने की स्थिति बनती है एंबुलेंस, स्कूली वाहन, मरीज और आम नागरिक भी इसी मार्ग से गुजरते हैं। ऐसे में यातायात का बढ़ता दबाव दुर्घटनाओं की आशंका को बढ़ा रहा है स्थानीय लोगों का आरोप है कि नए बस स्टैंड का प्रभावी संचालन नहीं होने से करोड़ों रुपए की परियोजना का उद्देश्य अधूरा रह गया है वहीं ISBT परिसर की निगरानी और उपयोग को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं ।

गुरु पूर्णिमा समारोह में कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे का संदेश शिक्षा के साथ एक हुनर जरूर सीखें, यही सफलता का आधार

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट, (निप्र)। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के सीएमसीएलडीपी सभागार स्थित बाल्मीकि सभागार में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, आस्था और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के साथ गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन रहे जबकि अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने की कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय परिसर में भारत रत्न राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमाओं पर मुख्य अतिथि अभय महाजन एवं कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर समारोह का औपचारिक शुभारंभ किया गया कुलसचिव प्रो. आज्ञनेय पांडेय ने मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष का पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। छात्र-छात्राओं ने मंचासीन गुरुजनों का अंगवस्त्र अर्पित कर सम्मान किया।

गुरु-शिष्य परंपरा संस्कार और राष्ट्र निर्माण का आधार: मुख्य अतिथि अभय महाजन ने कहा कि भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा केवल ज्ञान प्रदान करने की व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह संस्कार, चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने समर्थ गुरु रामदास-छत्रपति शिवाजी महाराज और स्वामी विवेकानंद-रामकृष्ण परमहंस के प्रेरक प्रसंगों का उल्लेख किया उन्होंने कहा कि मनुष्य का पहला गुरु उसकी माता, दूसरा पिता और तीसरा समाज होता है उन्होंने राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख के जीवन-दर्शन 'मैं अपने लिए नहीं, अपनों के लिए हूँ' को समाज जीवन का सर्वोच्च आदर्श बताते हुए युवाओं से सेवा, समर्पण और राष्ट्रभाव के साथ जीवन जीने का आह्वान किया।

डिग्री के साथ कौशल भी जरूरी: अध्यय उद्बोधन में कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने कहा कि भारतीय पर्व हमारी संस्कृति, परंपरा और जीवन-मूल्यों के संवाहक हैं। गुरु-शिष्य संबंध विश्वास, समर्पण और आत्मीयता पर आधारित होता है उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि केवल डिग्री हासिल करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिक्षा के साथ किसी एक हुनर या कौशल में दक्षता हासिल करना भी आवश्यक है।

गुरु पूर्णिमा पर ग्रामोदय विश्वविद्यालय में गूंजा गुरु-शिष्य परंपरा का संदेश, कुलगुरु बोले शिक्षा के साथ एक हुनर जरूर सीखें

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के सीएमसीएलडीपी सभागार स्थित बाल्मीकि सभागार में बुधवार को गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, आस्था और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के साथ गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन रहे, जबकि अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने की कार्यक्रम के प्रारंभ में अभय महाजन एवं कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित भारत रत्न राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित

किए इसके बाद वृक्षारोपण किया गया। बाल्मीकि सभागार में विद्यादायिनी मां सरस्वती एवं महर्षि संदीपनी के तैलचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ कुलसचिव प्रो. आज्ञनेय पांडेय ने मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष का पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। छात्र-छात्राओं ने मंचासीन गुरुजनों का अंगवस्त्र अर्पित कर सम्मान किया। मुख्य अतिथि अभय महाजन ने कहा कि भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा केवल ज्ञान प्रदान करने की व्यवस्था नहीं, बल्कि संस्कार, चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने समर्थ गुरु रामदास-छत्रपति शिवाजी महाराज तथा स्वामी विवेकानंद-रामकृष्ण परमहंस के प्रेरक प्रसंगों का उल्लेख उन्होंने कहा कि मनुष्य का पहला गुरु उसकी माता, दूसरा पिता और तीसरा समाज होता है महाजन ने राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख के जीवन-दर्शन 'मैं अपने लिए नहीं, अपनों के लिए हूँ' को समाज जीवन का सर्वोच्च आदर्श बताते हुए युवाओं से सेवा, समर्पण और राष्ट्रभाव के साथ जीवन जीने का आह्वान किया।

डिग्री के साथ हुनर भी जरूरी: कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने कहा कि भारतीय पर्व हमारी संस्कृति, परंपरा और जीवन-मूल्यों के संवाहक हैं। गुरु-शिष्य संबंध विश्वास, समर्पण और आत्मीयता पर आधारित होता है उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है शिक्षा के साथ कम से कम एक हुनर या कौशल में दक्षता हासिल करना भी जरूरी है।

नगर परिषद अध्यक्ष के वार्ड में सड़क बदहाल, बारिश में पैदल चलना भी मुश्किल; 10 साल से समस्या झेल रहे रहवासी

वार्ड-13 में कच्चे रास्तों और गड्ढों से परेशान लोग, बोले– अध्यक्ष से उम्मीद के बाद भी नहीं हुआ समाधान

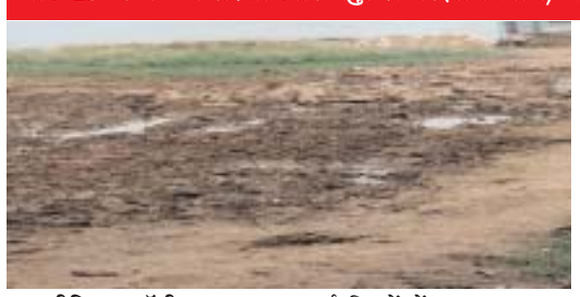

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर परिषद कोठी के वार्ड क्रमांक 13 के रहवासी इन दिनों सड़क और जलभराव जैसी मूलभूत समस्याओं से परेशान हैं खास बात यह है कि यह वही वार्ड जहां से चुनाव जीतकर सुखवंती बाई बुनकर नगर परिषद अध्यक्ष के पद पर पहुंची हैं इसके बावजूद वार्ड के कई हिस्सों में अब तक सड़क का निर्माण नहीं होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है स्थानीय रहवासियों के अनुसार मोहल्ले में कई रास्ते आज भी कच्चे हैं बरसात के मौसम में इन रास्तों की स्थिति और खराब हो जाती है। कीचड़ और पानी भरने के कारण दोपहिया तथा चार पहिया वाहनों का निकलना मुश्किल हो जाता है कई जगह पैदल चलना भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है और लोगों को फिसलकर गिरने का डर बना रहता है वार्ड निवासी कामता विश्वकर्मा और अतुल तिवारी ने बताया कि क्षेत्र में बस्ती बसे हुए 10 वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन इसके बावजूद सड़क की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका उन्होंने बताया कि कई स्थानों पर रास्ते पूरी तरह कच्चे हैं और बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं बारिश होने के बाद स्थिति और गंभीर हो जाती है रहवासियों का कहना है कि नगर परिषद अध्यक्ष का कार्यकाल भी चार वर्ष से अधिक समय का हो चुका है। ऐसे में वार्डवासियों को उम्मीद थी कि सड़क, नाली और जल निकासी जैसी मूलभूत सुविधाओं का विकास प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है।

मुरुम डालने की मांग: स्थानीय लोगों ने कहा कि बरसात के दौरान तत्काल राहत के लिए कच्चे रास्तों पर मुरुम डलवा दी जाए तो आवागमन में काफी सुविधा हो सकती है रहवासियों का दावा है कि उन्होंने नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को समस्या से अवगत कराया है।

चित्रकूट में मंदिर की दान पेटी पर चोरों का हाथ साफ, नकदी लेकर फरार; पुलिस जांच में जुटी

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। धार्मिक नगरी चित्रकूट के परिक्रमा मार्ग स्थित बड़े हनुमान मंदिर, कामता मंदिर के पास दान पेटी से नकदी चोरी होने का मामला सामने आया है अज्ञात चोर मंदिर की दान पेटी में रखी रकम लेकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति बन गई सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है पुलिस को उम्मीद है कि कैमरों की रिकॉर्डिंग से वारदात से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं फिलहाल दान पेटी में कितनी रकम मौजूद थी और चोरी में कितनी नकदी गई है इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस मंदिर प्रबंधन और प्रत्यक्षदर्शियों से भी जानकारी जुटा रही है मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

सीएम हेल्पलाइन में सुधार लाएंए सभी विभाग ए ग्रेड में आएं कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने बुधवार को समय.सीमा प्रकरणों की बैठक में सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपनी ग्रेडिंग में सुधार करते हुए ''ष्एष् ग्रेड'' में आने का प्रयास करें। सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक पुरानी एक भी शिकायत लंबित नहीं रहनी चाहिए और किसी भी स्तर पर शिकायत ''नॉट.अटेंड'' नहीं रहनी चाहिए बैठक में सीएम हेल्पलाइन के साथ फार्मर रजिस्ट्रीए मुख्य सचिव की बैठक के समीक्षा बिंदुए संबल योजना और विभागीय समन्वय से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर संजना जैनए जिला पंचायत के

सीईओ शैलेंद्र सिंहए एसडीएम मैहर दिव्या पटेलए रामनगर एसपी मिश्राए डिप्टी कलेक्टर आशिमा पटेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि रीवा संभाग में गत माह की ग्रेडिंग में केवल मैहर जिला ही ''ष्बीष् श्रेणी'' में रहा है उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 100 दिन से अधिक पुरानी सभी शिकायतों का एक सप्ताह के भीतर निराकरण सुनिश्चित किया जाए कलेक्टर ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अब किसी भी विभाग के ष्बीष् ग्रेड में आने पर संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारी.कर्मचारी की ''एक सप्ताह की वेतन कटौती'' की जाएगी वहींप्रत्येक माह सीएम हेल्पलाइन और विभागीय गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले दो विभागों के अधिकारियों को ''ष्बेस्ट परफॉर्मर ऑफ द वीकष' के रूप में चयनित कर प्रोत्साहित किया जाएगा।

गुरु पूर्णिमा पर समन्वय सेवा केंद्र में पादुका पूजन, भंडारा और सेवा बस्ती में खिचड़ी प्रसाद वितरण

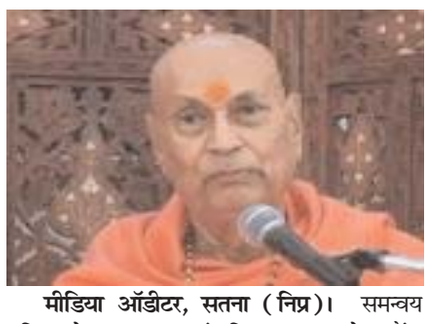

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। समन्वय परिवार सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित समन्वय सेवा केंद्र, केशखानी दाल मिल, सतना में गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव के साथ मनाया गया कार्यक्रम में गुरु के प्रति आस्था प्रकट करने के साथ सेवा कार्यों को भी प्राथमिकता दी गई। महोत्सव के दौरान सदुरु की पावन पादुकाओं का पूजन, भजन-आरती, भंडारा प्रसाद और सेवा बस्ती में खिचड़ी प्रसाद वितरण किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10 बजे दीप प्रज्ज्वलन, प्रार्थना और भजन के साथ हुआ। वातावरण भक्तिमय बनाने के लिए श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से गुरु वंदना और भजनों में सहभागिता की इसके बाद परम पूज्य सदुरु भगवान ब्रह्मलीन स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी जी महाराज की पावन पादुकाओं का विधि-विधान और श्रद्धापूर्वक पूजन किया गया पादुका पूजन में समन्वय परिवार के सदस्यों के साथ समन्वय सेवा केंद्र के चिकित्सकों ने भी सहभागिता की श्रद्धालुओं ने गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए पादुकाओं के समक्ष पूजा-अर्चना की और गुरु कृपा की कामना की। आयोजन के दौरान भजन और आरती का भी कार्यक्रम हुआ, जिसमें उपस्थित लोगों ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता की। समन्वय परिवार द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर को केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित न रखते हुए सेवा कार्यों से भी जोड़ा गया पादुका पूजन और आरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए भंडारा प्रसाद की व्यवस्था की गई बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया इसके साथ ही सेवा बस्ती में खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया आयोजन से जुड़े सदस्यों ने सेवा बस्ती में पहुंचकर लोगों को खिचड़ी प्रसाद वितरित किया गुरु पूर्णिमा के अवसर पर किए गए इस सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने और सामाजिक सेवा की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया गया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।